लखनऊ

गुरुवार, 23 अप्रैल, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 239

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"आज की छोटी मेहनत ही कल की बड़ी सफलता बनकर आपका इंतज़ार करती है बस लगातार चलते रहो।"

TODAY WEATHER

DAY 42° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

'हर-हर महादेव' के जयकारों के साथ खुले केदारनाथ धाम के कपाट, वीडियो-रील बनाने पर रोक

रुद्रप्रयाग। विश्व प्रसिद्ध श्री केदारनाथ धाम के कपाट आज पूर्ण विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्रद्धालुओं के दर्शन हेतु खोल दिए गए। इस अवसर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी उपस्थित रहे। मंदिर को 51 क्विंटल फूलों से भव्य रूप से सजाया गया, जिससे पूरा धाम भक्तिमय वातावरण में डूबा नजर आया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि कपाट खुलने के इस पावन अवसर पर उत्तराखंड की दिव्य भूमि पर चारधाम यात्रा के लिए सभी श्रद्धालुओं का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि केदारनाथ धाम और चारधाम यात्रा आस्था, एकता और समृद्ध परंपराओं का दिव्य उत्सव है, जो भारत की सनातन संस्कृति के दर्शन कराती है। उन्होंने सभी यात्रियों की सुखद और मंगलमय यात्रा की कामना की। उत्तराखंड के राज्यपाल गुरमीत सिंह ने भी श्रद्धालुओं को बधाई देते हुए भगवान भोलेनाथ से सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति की कामना की। इस बार मंदिर प्रशासन ने सख्त गाइडलाइंस जारी की हैं। मंदिर परिसर में रील बनाना, वीडियोग्राफी करना और मोबाइल फोन का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया।

महिलाओं पर शर्मनाक टिप्पणी कर बुरी तरह फंसे पप्पू यादव, महिला आयोग ने थमाया नोटिस

पटना। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव महिलाओं को लेकर दिए गए अपने एक बेहद आपत्तिजनक बयान के कारण बुरी तरह घिर गए हैं। राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को लेकर की गई उनकी एक विवादित टिप्पणी ने बड़े राजनीतिक तूफान को जन्म दे दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए बिहार राज्य महिला आयोग ने कड़ा रुख अपनाते हुए सांसद पप्पू यादव को आधिकारिक नोटिस जारी किया है और उनसे इस अमर्यादित बयान पर स्पष्टीकरण मांगा है। सांसद पप्पू यादव ने हाल ही में राजनीति में कदम रखने वाली महिलाओं को लेकर एक ऐसी टिप्पणी की थी जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है। उन्होंने अपने बयान में कहा था कि महिलाओं को राजनीति में आने और अपनी जगह बनाने के लिए समझौता (कंप्रोमाइज) करना पड़ता है। उनके इस बेतुके बयान के सामने आते ही सियासी गलियारों में भारी बवाल मच गया। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने एक सुर में उनके इस बयान की कड़ी निंदा की है। इस मामले ने तब और ज्यादा तूल पकड़ लिया जब बिहार राज्य महिला आयोग ने इस विवादित बयान का स्वत: संज्ञान लिया। महिला आयोग ने सांसद पप्पू यादव को नोटिस जारी करते हुए उनके शब्दों पर सख्त ऐतराज जताया है। आयोग ने अपने आधिकारिक नोटिस में स्पष्ट रूप से लिखा है कि एक जनप्रतिनिधि के इस तरह के बयान से महिलाओं के आत्मसम्मान और उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को गहरी ठेस पहुंची है। महिला आयोग ने सांसद को अपना लिखित जवाब दाखिल करने के लिए महज तीन दिन

'नई पीढ़ियों के लिए धरती को बचाना हमारी प्रतिज्ञा है', पीएम मोदी ने दिया दुनिया को संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पीएम ने कहा कि पृथ्वी की रक्षा करना सिर्फ हमारा दायित्व नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति एक पवित्र संकल्प है। उन्होंने कहा कि धरती के संरक्षण में ही मानवता का कल्याण निहित है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि पृथ्वी हमारी माता है और इसके संरक्षण में मानवता का कल्याण निहित है। इसकी रक्षा करना हम सबका केवल दायित्व नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा पवित्र संकल्प भी है। उन्होंने इस दौरान संस्कृत श्लोक के माध्यम से भी पृथ्वी के महत्व और प्रकृति संरक्षण की भारतीय परंपरा को रेखांकित किया।

प्रधानमंत्री के संदेश को पर्यावरण संरक्षण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के रूप में देखा जा रहा है। बीते वर्षों में केंद्र सरकार ने स्वच्छता, हरित ऊर्जा, जल संरक्षण और वृक्षारोपण जैसे कई अभियानों को बढ़ावा दिया है।

हमारे द्वारा उठाए गए कदम ही भविष्य की पृथ्वी को आकार देंगे- नड्डा

वहीं, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने भी विश्व पृथ्वी दिवस पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिवस हमें याद दिलाता है कि आज हमारे द्वारा उठाए गए कदम ही भविष्य की पृथ्वी को आकार देंगे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की रक्षा को हमें अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। नड्डा ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चल रहे स्वच्छ भारत अभियान और एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये पहल लोगों को आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और हरित भविष्य के निर्माण में भागीदारी के लिए प्रेरित कर रही हैं।

सभी पृथ्वी को प्रदूषण मुक्त बनाने का संकल्प लें- योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी प्रदेशवासियों को विश्व पृथ्वी दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति में धरती को मां का स्वरूप माना गया है, जो समस्त चराचर जगत का नि:स्वार्थ भाव से पोषण करती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि इस अवसर पर सभी पृथ्वी को प्रदूषण मुक्त और वृक्षों से युक्त बनाने का संकल्प लें।

'भारत आतंक के आगे नहीं झुकेगा' — PM मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले की बरसी पर पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को 22 अप्रैल 2025 को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकी हमले में मारे गए 26 लोगों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने हर तरह के आतंकवाद के खिलाफ भारत के मजबूत संकल्प को दोहराया। एक्स पर पोस्ट में प्रधानमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि देश दुख में एकजुट है और आतंकियों की "घिनौनी साजिशों" को खत्म करने के लिए दृढ़ है। उन्होंने लिखा, "पिछले साल आज के दिन हुए पहलगाम के भयानक आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों को याद कर रहा हूं। उन्हें कभी भुलाया नहीं जाएगा। शोक संतप्त परिवारों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। एक देश के रूप में हम दुख में एकजुट हैं और हमारा संकल्प मजबूत है। भारत कभी भी किसी भी तरह के आतंक के सामने नहीं झुकेगा। आतंकियों की घिनौनी साजिशें कभी सफल नहीं होंगी।" हमले की पहली बरसी से एक दिन पहले भारतीय सेना ने भी ऑपरेशन सिंदूर को याद किया और आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश दिया। भारतीय सेना के अतिरिक्त जन सूचना महानिदेशालय ने एक्स पर पोस्ट में कहा। "जब इंसानियत की सीमाएं पार होती हैं, तो जवाब निर्णायक होता है। न्याय किया जाता है। भारत एकजुट है।" इसके साथ एक ग्राफिक संदेश भी था। "कुछ सीमाएं कभी पार नहीं की जानी चाहिए। भारत भूलता नहीं।" 22 अप्रैल 2025 को देश उस समय स्तब्ध रह गया जब आतंकियों ने जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हमला किया। यह जगह अपनी खूबसूरती और पर्यटन के लिए जानी जाती है। इस हमले में पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने एक गांव में घुसकर 26 लोगों की हत्या कर दी। इस हमले में हमलावरों ने लोगों से उनका धर्म पूछा और फिर हत्या की। इसे एक निशाना बनाकर किया गया साम्प्रदायिक हमला माना गया, जिसकी पूरे देश में कड़ी निंदा हुई।

जल, जंगल और जमीन की रक्षा- धामी

उधर, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि स्वच्छ, हरित और सुरक्षित वातावरण केवल आज की आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला है। उन्होंने कहा कि विश्व पृथ्वी दिवस हमें प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों का स्मरण कराता है। धामी ने लोगों से जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए सक्रिय भागीदारी निभाने, प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर देश के शीर्ष नेताओं के संदेशों में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, वृक्षारोपण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर विशेष जोर देखने को मिला। यह दिन लोगों को पृथ्वी के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने और प्रकृति संरक्षण के लिए संकल्प लेने की प्रेरणा देता है।

ममता राज में 7000 इंडस्ट्रीज बंद!

टीएमसी ने 30 लाख युवाओं की नौकरी छीनी : योगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर ज़ोरदार हमला बोलते हुए दावा किया कि उसके शासन में पश्चिम बंगाल में उद्योगों का भारी पतन हुआ है और उसने एक राष्ट्रीय आर्थिक अगुआ के तौर पर अपनी जगह खो दी है। बड़ा बाज़ार में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह राज्य, जो कभी उद्योग, शिक्षा और संस्कृति के लिए जाना जाता था, अब वर्षों के कुशासन के कारण पिछड़ गया है। योगी आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि टीएमसी शासन के दौरान 7,000 से ज़्यादा बड़ी इंडस्ट्रीज़ बंद हो गईं।

उन्होंने कहा कि बंगाल, जो कभी कई सेक्टरों में सबसे आगे था, अब सबसे नीचे पहुँच गया है और साथ ही यह भी जोड़ा कि हज़ारों एमएसएमई यूनिट्स भी बंद हो गई हैं, जिससे लगभग 30 लाख युवाओं की नौकरियाँ चली गई हैं। उन्होंने दावा किया कि इस गिरावट ने राज्य को एक ऐसी जगह में बदल दिया है, जिसे उन्होंने इंडस्ट्रीज़ का कब्रिस्तान बताया।

नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के जोरासांको स्थित पैतृक घर का ज़िक्र करते हुए, योगी आदित्यनाथ ने टीएमसी पर बंगाल की सांस्कृतिक विरासत का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस ऐतिहासिक घर के अंदर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के पोस्टर लगाए गए थे, जिसे उन्होंने टैगोर की विरासत का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि ऐसी जगहों पर भारत माता और महान सांस्कृतिक हस्तियों की झलक दिखनी चाहिए, न कि राजनीतिक प्रदर्शन।

संस्कृति, पहचान और धर्म पर ज़ोर

योगी आदित्यनाथ ने भाषा और सांस्कृतिक पहचान को लेकर भी चिंता जताई, और आरोप लगाया कि बंगाली परंपराओं को नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। उन्होंने टीएमसी पर धार्मिक जुलूसों पर रोक लगाने का भी आरोप लगाया और कहा कि दुर्गा पूजा और काली पूजा जैसे त्योहारों पर बेवजह पाबंदियां लगाई जा रही हैं। उन्होंने धार्मिक भावनाओं पर टीएमसी के रवैये पर भी सवाल उठाए, और अयोध्या में राम मंदिर के विरोध का ज़िक्र किया।

बंगाल में राजनीतिक बदलाव की मांग

'वंदे मातरम' के 150वें वर्ष का ज़िक्र करते हुए, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल को 'अपनी खोई हुई शान वापस पानी होगी' और दावा किया कि ऐसा केवल सरकार बदलने से ही हो सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य को विकास लाने और उद्योगों को फिर से ज़िंदा करने के लिए, जिसे उन्होंने 'डबल-इंजन सरकार' कहा, उसकी ज़रूरत है।

केजरीवाल का ममता को फुल सपोर्ट, कहा– 'दीदी सबसे कठिन लड़ाई लड़ रहीं, पीएम मोदी हारेंगे'

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (AAP) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपना समर्थन देते हुए कहा कि उन्होंने फोन पर उनसे बात की और पूरी एकजुटता और समर्थन व्यक्त किया। X पर एक पोस्ट में केजरीवाल ने कहा कि अभी ममता दीदी से फोन पर बात हुई। मैंने उन्हें पूरी एकजुटता और समर्थन दिया। वह सबसे कठिन लड़ाइयों में से एक लड़ रही हैं, जो भारतीय लोकतंत्र के लिए सबसे महत्वपूर्ण लड़ाइयों में से एक है। मोदी जी हारेंगे, चाहे उन्होंने केंद्रीय चुनाव आयोग समेत सभी संस्थानों का दुरुपयोग किया हो।

केजरीवाल की ये टिप्पणियां पश्चिम बंगाल में चल रही राजनीतिक खींचतान के बीच आई हैं, जहां तृणमूल कांग्रेस भाजपा के खिलाफ कड़ी टक्कर दे रही है। उनकी ये टिप्पणी भारतीय चुनाव आयोग (ECI) द्वारा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भवानीपुर में प्रस्तावित रैली की अनुमति रद्द करने के एक दिन बाद आई है, जिससे तृणमूल कांग्रेस (TMC) की ओर से तीखी प्रतिक्रिया हुई है। यह फैसला 23 अप्रैल को होने वाले पहले चरण के मतदान से कुछ ही दिन पहले आया है, जिसमें भवानीपुर भी शामिल है।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए बनर्जी ने चुनाव आयोग के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि मौजूदा मुख्यमंत्री होने के बावजूद उन्हें अपने ही निर्वाचन क्षेत्र में रैली करने की अनुमति नहीं दी गई।

मुख्यमंत्री धामी ने केदारनाथ में की पहली पूजा, पीएम मोदी के नाम से मांगी देश की समृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग स्थित केदारनाथ धाम में आज पूरे रीति-रिवाजों और परंपराओं के साथ प्रवेश हुआ, जिसमें भारत और विदेश से हजारों श्रद्धालु पहुंचे। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विशेष प्रार्थनाओं में भाग लेने के लिए धाम का दौरा किया। समारोह के दौरान, मुख्यमंत्री धामी ने वैदिक मंत्रों और अनुष्ठानों का पाठ किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर पहली प्रार्थना की और राज्य की जनता की खुशी, समृद्धि और कल्याण के लिए भगवान शिव से प्रार्थना की।

मंदिर परिसर हर हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा, जिससे एक आध्यात्मिक वातावरण बन गया। कई श्रद्धालुओं ने इस ऐतिहासिक क्षण को देखकर अपार आस्था और आनंद व्यक्त किया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि केदारनाथ धाम, चार धामों के साथ, उत्तराखंड की आध्यात्मिक पहचान का प्रतीक है। उन्होंने सुरक्षित, सुगम और सुव्यवस्थित तीर्थयात्रा का अनुभव प्रदान करने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया और कहा कि वे व्यक्तिगत रूप से नियमित रूप से व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हैं ताकि किसी भी तीर्थयात्री को असुविधा न हो। उन्होंने अधिकारियों को यात्रा मार्गों, स्वास्थ्य सेवाओं, पेयजल उपलब्धता, स्वच्छता और सुरक्षा उपायों में उच्च मानकों को बनाए रखने का निर्देश दिया। तीर्थयात्रियों की बढ़ती संख्या पर जोर देते हुए उन्होंने समय पर सभी आवश्यक तैयारियों को पूरा करने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मैं आशा करता हूं कि बाबा केदारनाथ का आशीर्वाद सभी पर बना रहे और उत्तराखंड विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर होता रहे।

'हमारे सारे पड़ोसी ठीक, सिर्फ एक गड़बड़', जर्मनी में राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जर्मनी में पाकिस्तान को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि हमारे सभी पड़ोसी ठीक हैं, सिर्फ एक गड़बड़ है। पहलगाम हमले की पहली बरसी के दिन सिंह ने कहा कि ऑपरेश सिंदूर में जो कमाल हुआ वो बताने की जरूरत नहीं है। हमारी मिलिट्री पावर मजबूत हुई है। भारत ने कभी किसी पर आक्रमण नहीं किया। किसी पड़ोसी ने छेड़खानी करने की कोशिश की तो उसे छोड़ेंगे नहीं।

बर्लिन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि मैं 7-8 बार यूनाइटेड स्टेट्स जा चुका हूं। असल में, जब से ट्रंप प्रेसिडेंट बने हैं। मैं दो बार अमेरिका जा चुका हूं। यह जर्मनी का मेरा पहला दौरा है।यहां रहने वाले लोग भारत और जर्मनी के बीच ब्रिज हैं। आपकी साख बढ़ेगी तो भारत की साख बढ़ेगी। भारत और जर्मनी का रिश्ता सिर्फ डेमोक्रेसी तक सीमित नहीं है। राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि भारत अब पहले वाला भारत नहीं रहा। विदेश में भारत की साख बढ़ी है। लोकतंत्र के प्रति हमारा कमिटमेंट है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा तीसरा स्टार्ट अप सिस्टम बनेगा। महिलाओं को भारत में 33 फीसदी आरक्षण मिलेगा। सिंह ने कहा कि जब ऑडियंस हंसती है, तो वह कहते हैं कि मुझे आपकी हंसी का कारण समझ नहीं आ रहा। वहीं, जहां तक मेरी बात है, मैं तो बस आप सभी को यहां देखकर खुश होकर मुस्कुरा रहा हूं। हालांकि, जहां तक जर्मनी की बात है। इंटरनेशनल कम्युनिटी में इसकी एक अलग इज्जत और क्रेडिबिलिटी है। जहां जर्मनी के मूल निवासियों ने बेशक इस सफलता में अहम योगदान दिया है। वहीं इंडियन डायस्पोरा ने भी इसमें योगदान दिया है। यह सच्चाई ऐसी है जिसे कोई नकार नहीं सकता।

भारतीय समुदाय के लोगों से की मुलाकात

राजनाथ सिंह ने जर्मनी दौरे के पहले दिन बर्लिन में भारतीय समुदाय से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जर्मनी में रह रहे करीब 3 लाख भारतीयों की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय समुदाय दोनों देशों के बीच सबसे मजबूत पुल है। रक्षा मंत्री ने कहा कि जर्मनी में बसे भारतीय बिजनेस, टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर, शिक्षा और कला जैसे कई क्षेत्रों में अहम योगदान दे रहे हैं, जिससे भारत और जर्मनी के रिश्ते और मजबूत हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक पहचान काफी मजबूत हुई है। पहले अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बात को उतना महत्व नहीं मिलता था, लेकिन आज पूरी दुनिया ध्यान से सुनती है।

27 लाख में ट्रिब्यूनल ने की सिर्फ 500 अपील मंजूर, 137 ही दे सकेंगे वोट

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल एसआईआर से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। 27 लाख अपील में से ट्रिब्यूनल ने केवल 500 अपील मंजूर कीं। सूत्रों के मुताबिक, 500 केस की सुनवाई के बाद सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट में केवल 137 वोटर ही जोड़े गए हैं। इन 137 मतदाताओं को वोट डालने की अनुमति दी गई है। दरअसल, इस मामले में पिछले दिनों ने सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया था।

23 अप्रैल को 152 सीटों पर वोटिंग

शीर्ष अदालत ने कहा था कि ट्रिब्यूनल में जिनकी अपील मंजूर कर ली जाएगी, वे लोग 23 और 29 अप्रैल को वोट दे सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए अनुच्छेद 142 की शक्तियों का इस्तेमाल किया। सीएम ममता बनर्जी ने

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर खुशी जताई थी। बंगाल में दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग है। पहले चरण में 152 सीटों पर वोट डाले जाएंगे जबकि दूसरे फेज में 142 सीटों पर वोटिंग होगी।

27,16, 393 लोग पाए गए थे अयोग्य

बता दें कि बंगाल में एसआईआर से पहले टोटल 7,66,37,529 मतदाता थे। 28 फरवरी को एसआईआर की पहली लिस्ट आई। इसमें करीब 63.166 लाख नाम हटाए गए थे, जबकि 60,06,675 नामों को रेस्ट रखा गया और कहा गया कि इस पर विचार किया जाएगा। बाद में इनमें से 27 लाख 16 हजार 393 लोग अयोग्य पाए गए, जबकि 32,68, 119 को पात्र मानकर लिस्ट में बहाल कर दिया गया।

बंगाल में कुल वोटर 6,82,51,008

इसके बाद बंगाल में कुल मतदाताओं की संख्या 6,77,20,728 रह गई है। पहले फेज के चुनाव से करीब तीन-चार दिन पहले सात लाख नए वोटर्स को जोड़ा गया था। इसके बाद बंगाल में कुल वोटरों की संख्या 6,82,51,008 हो गई है। नए वोटरों में से करीब 3.122 लाख वोटर्स पहले चरण यानी 23 अप्रैल को वोटिंग करेंगे बाकी बचे 3.188 लाख वोटर्स दूसरे फेज में वोट डालेंगे।

'मेरी बेइज्जती का बदला लेकर ही मुंह दिखाना', पिता ने ही बेटे को उकसाया था

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद. मुरादाबाद में राजा और उसकी पत्नी फराह की हत्या की साजिश रचने वाले मुख्य आरोपी फहीम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पूछताछ में कबूला है कि उसने ही अपने बेटे फरजंद को हत्या के लिए उकसाया था। उसने फरजंद से कहा था कि अगर वह मेरी बेइज्जती का बदला नहीं ले पाए तो मुझे अपना मुंह मत दिखाना।

इसके बाद ही फरजंद ने अपने चचेरे भाई और दोस्तों के साथ मिलकर दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया था। फहीम ने पुलिस को बताया कि राजा ने रविवार को मुझे पीटा था। मेरा सिर भी फट गया था।

पुलिस ने राजा और उसकी पत्नी फराह की हत्या के मामले में सिविल लाइंस के चक्कर की मिलक निवासी फहीम, आरिफ, नवाब, फरजंद, अनस और फहीम के भतीजे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस ने यह कार्रवाई राजा के भाई शुएब की तहरीर पर की है।

एसपी सिटी कुमार रण विजयसिंह ने बताया कि मुख्य साजिशकर्ता फहीम को सोमवार की रात ही गिरफ्तार कर लिया था। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह बैंक्वेट हाल का संचालन करता है। इसके अलावा वह आरिफ और नवाब के साथ मिलक में जमीन की खरीद फरोख्त का काम भी करता है।

राजा पर बकाया थे 24 हजार रुपये

तीनों ने एक साल पहले राजा को दो लाख 24 हजार रुपये में एक प्लॉट बेचा था। जिस पर राजा ने एक कमरा बना लिया था और उसमें में ही परिवार के साथ रह रहा था। राजा पर 24 हजार रुपये बकाया थे।

19 अप्रैल को वह राजा से अपने रुपये मांगने गया था। तब राजा भड़क गया और उसके साथ

मारपीट की थी। राजा ने ईंट मार दी थी। जिससे उसके सिर और हाथ लहूलुहान हो गया था। वह अपना इलाज कराने के लिए जिला अस्पताल में भर्ती हुआ था।

'तेरे जैसे जवान बेटे का होने का क्या फायदा'

इसी दौरान वहां बेटा फरजंद उसे देखने अस्पताल आया। इसी दौरान वहां नवाब, और आरिफ भी मौजूद थे। फहीम ने अपने बेटे को उकसाया था कि तेरे जैसे जवान बेटे का होने का क्या फायदा। तेरे पिता को राजा ने लहूलुहान कर दिया अगर मेरी बेइज्जती का बदला नहीं ले पाए तो मुझे अपना मुंह मत दिखाना।

तब फरजंद फहीम से बोला था कि पापा आपके अपमान का बदला लिया जाएगा। राजा को सबक सिखाने के बाद ही आपके सामने आऊंगा। सोमवार की रात राजा और उसकी पत्नी की हत्या करने के बाद फरजंद अपने घर पहुंचा और उसने अपने पिता से कहा कि आपके अपमान का बदला ले लिया है।

कुछ देरी में पुलिस आ जाएगी। इससे पहले ही मैं निकल रहा हूं। इसके बाद फरजंद भाग गया था। मंगलवार की शाम पुलिस ने फहीम को कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बुखार से तप रहा अब्बास, मां बाप के लिए सुबक रहे अफ्शा और आतिफ

पल भर में अपने मां बाप को खोने वाले अब्बास, अफ्शा और आतिफ अपनी दादी के पास हैं। मंगलवार को दिन भर अब्बास अपनी दादी की गोद में रहा। बुखार से तप रहा अब्बास बार बार अपनी मां को याद कर रहा है तो अफ्शा और आतिफ भी मां बाप के लिए सुबकते रहे।

परिवार के साथ ही रिश्तेदार और परिचित भी इन बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित हैं। लोगों का कहना है कि अभी तो घर में आस पड़ोस के लोग और रिश्तेदार मौजूद हैं।

एक दो दिन में सभी लोग अपने अपने घर चले जाएंगे। इसके बाद इन बच्चों का क्या होगा। राजा की मां रानी ने बताया कि अब्बास बुखार से तप रहा है। डॉक्टर से दवा भी ले ली गई लेकिन बुखार कम नहीं हो रहा है।

रामगंगा की जमीन पर कब्जा...प्लॉट बनाकर बेच रहे लोग

मुरादाबाद के सिविल लाइंस चक्कर की मिलक में धीरे धीरे रामगंगा की जमीन पर कब्जा कर लिया है। कुछ दूसरी जगहों पर भी रामगंगा पाट दी गई है। दोहरे हत्याकांड के बाद लोगों ने बोलना शुरू कर दिया है।

चक्कर की मिलक के लोगों का कहना है कि हर साल रामगंगा नदी की जमीन पर फहीम और उसकी गिरोह में शामिल लोग रामगंगा की जमीन पर कब्जा कर लेते हैं। फिर प्लॉट बनाकर लोगों को बेचते हैं।

कुछ साल पहले प्रशासन की टीम बुलडोजर लेकर अवैध कब्जे और निर्माण हटाने गई थी लेकिन बुलडोजर नाले में फंस गया था। जिस कारण अभियान बीच में ही रोक दिया गया था। इसके बाद अधिकारी दोबारा उस क्षेत्र में नहीं गई है।

जिस कारण लगातार अवैध कब्जे बढ़ते जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि कई जगह रामगंगा को पाट दिया गया। रामगंगा की जमीन में मकान बनने लगे हैं। लेकिन प्रशासन को यह खेल नजर नहीं आ रहा है। कुछ लोगों का कहना था कि पिछले कई साल से यहां यह कारोबार हो रहा है।

मुरादाबाद में बच्चों के सामने मां बाप को चाकुओं से गोदकर मार डाला

मुरादाबाद के सिविल लाइंस थाना इलाके के चक्कर की मिलक में सोमवार की रात आठ बजे घर के भीतर बच्चों के सामने राजा (30) और उसकी पत्नी फराह (26) की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। बच्चों की चीख पुकार सुनकर आस पड़ोस के लोग आए तो हत्यारोपी मौके से भाग गए। पुलिस का कहना है अब तक जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक मकान को लेकर कोई विवाद है। यह मकान एक साल पहले खरीदा गया था। मगर अभी तक रजिस्ट्री नहीं हुई थी। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

एसएसपी सतपाल अंतिल के मुताबिक सिविल लाइंस के चक्कर की मिलक निवासी राजा (30) ने करीब एक साल पहले पड़ोसी फहीम से रामगंगा किनारे बना एक कमरे का मकान दो लाख 24 हजार रुपये में खरीदा था। पॉलिश का काम करने वाले राजा ने दो लाख रुपये देकर मकान पर कब्जा ले लिया था।

राजा इस मकान में अपनी पत्नी फराह (30), बेटी अफ्शा (8), बेटे आतिफ (5) और डेढ़ साल के दूसरे बेटे अब्बास के साथ रह रहा था। फहीम ने मकान की रजिस्ट्री नहीं कराई गई थी। अब फहीम 24 हजार के बजाए 40 हजार रुपये लेकर मकान की रजिस्ट्री कराने की बात कर रहा था।

इसी को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि रविवार की शाम भी राजा और फहीम के बीच विवाद हुआ था। राजा ने फहीम की पिटाई की तो उसके हाथ में चोट आ गई थी। सोमवार की रात करीब आठ बजे राजा और उसकी पत्नी फराह कमरे में मौजूद थे।

डेढ़ साल के बेटे अब्बास की तबीयत खराब थी और वह चारपाई पर लेटा हुआ था। जबकि बेटी अफ्शा और आतिफ मकान के सामने ही खेल रहे थे। इसी दौरान फहीम का बेटा फरजंद, अपने चचेरे आई और एक अन्य युवक के साथ राजा के घर में आ गया।

आरोपियों ने राजा के साथ मारपीट शुरू कर दी। पत्नी बचाने आई तो उसके साथ मारपीट की। शोर शराबा सुनकर बेटी और बेटा भी कमरे में आ गए। इसके बाद आरोपियों ने बच्चों के सामने ही दोनों पर चाकुओं से हमला कर दिया। चाकू के दस से ज्यादा वार किए गए हैं। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस अधिकारियों के साथ डीआईजी मुनिराज ने भी घटना स्थल पर पहुंचे।

सिकंदर सिंह हत्याकांड में चौकी इंचार्ज राकेश ओझा निलंबित

बल्दीराय/सुल्तानपुर। थाना क्षेत्र के टडरसा मजरा ऐंजर में पुरानी रंजिश को लेकर हुई मारपीट में गंभीर रूप से घायल सिकंदर सिंह की इलाज के दौरान अयोध्या में मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आया और बड़ी कार्रवाई करते हुए देहली बाजार चौकी इंचार्ज राकेश कुमार ओझा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक चारु निगम ने चौकी इंचार्ज पर ड्यूटी में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए यह कार्रवाई की है। सीओ बल्दीराय आशुतोष कुमार ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि घटना की जांच जारी है और अन्य दोषियों पर भी जल्द कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रहा है कि सिकंदर सिंह को गांव में पुरानी रंजिश के चलते कुछ लोगों ने बुरी तरह पीटा था। हालत बिगड़ने पर उन्हें अयोध्या रेफर किया गया था, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर गरजा आसमान, लड़ाकू विमानों का भव्य एयर शो

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिले में आज पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर भारतीय वायुसेना का रोमांचक एयर शो आयोजित हुआ, जिसने लोगों का उत्साह चरम पर पहुंचा दिया। दोपहर 2 बजे शुरू हुए इस एयर शो में करीब 3 घंटे तक आसमान में लड़ाकू विमानों की गर्जना गूंजती रही। एयर शो की शुरुआत वायुसेना के ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट की शानदार लैंडिंग से हुई, जिसने एक्सप्रेस-वे पर बनी इमरजेंसी एयरस्ट्रिप पर उतरकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। इसके बाद जगुआर फाइटर जेट ने उड़ान भरी और फिर राफेल, सुखोई और मिराज जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों ने टेकऑफ और लैंडिंग कर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। इस दौरान सेना के एम17 हेलीकॉप्टर से कमांडोज ने मॉक ड्रिल कर सैन्य ऑपरेशन का अभ्यास भी दिखाया, जिसे देखकर दर्शक रोमांचित हो उठे। वहीं एम32 भीष्म एयरक्राफ्ट ने एयरस्ट्रिप पर 'टच एंड गो' का अभ्यास कर अपनी दक्षता का प्रदर्शन किया। शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक एक बार फिर युद्धाभ्यास का दूसरा चरण आयोजित किया जाएगा। इस पूरे आयोजन को ध्यान में रखते हुए करीब 5 किलोमीटर का क्षेत्र सुरक्षा के मद्देनजर सील किया गया है। आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर 3.2 किलोमीटर लंबी इमरजेंसी एयरस्ट्रिप तैयार की गई है, जो जरूरत पड़ने पर वायुसेना के विमानों के संचालन में अहम भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर भी पहुंचे, जहां उन्होंने एयर मार्शल का स्वागत किया।

नीला ड्रम केस : फैसले का खौफ या आस्था, जेल में तीन दिन से उपवास पर थी मुस्कान

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ के चर्चित सौरभ हत्याकांड में आरोपी पत्नी मुस्कान पिछले तीन दिनों से जेल में उपवास पर थी। कोर्ट में पेशी की सूचना मिलने के बाद उसने अपने पूजा-पाठ का समय भी बढ़ा दिया।

जेल प्रशासन के अनुसार हत्या के आरोप में बंद मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल को अब सजा का डर सताने लगा है। दोनों ने जेल अधीक्षक से यह सवाल भी किया कि यदि कोर्ट से उनके खिलाफ फैसला आता है और सजा हो जाती है, तो आगे उनका केस कौन लड़ेगा?

जेल अधीक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा ने बताया कि दोनों आरोपियों ने उनसे कानूनी प्रक्रिया को लेकर जानकारी ली। उन्होंने पूछा कि सजा होने की स्थिति में आगे अपील कैसे होगी और केस कौन लड़ेगा?

जेल अधीक्षक ने नीला ड्रम केस के आरोपी साहिल और मुस्कान को बताया कि यदि वे उच्च न्यायालय में अपील करना चाहते हैं तो सरकार की ओर से उन्हें कानूनी सहायता और सरकारी वकील उपलब्ध कराया जाएगा।

मुस्कान ने जेल में बढ़ाया पूजा-पाठ का समय

जेल प्रशासन के अनुसार मुस्कान नियमित रूप से पूजा-पाठ और भजन-कीर्तन करती है। कोर्ट में पेशी की जानकारी मिलने के बाद उसने अपनी धार्मिक गतिविधियों का समय और बढ़ा दिया। इसी दौरान उसने तीन दिन से उपवास भी रखा हुआ था।

जेल में सब्जी उगा रहा साहिल

दूसरी ओर आरोपी साहिल जेल परिसर में सब्जी उगाने का काम करता है। आम तौर पर दोनों की मुलाकात नहीं होती, लेकिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होने वाली पेशी के दौरान वे एक-दूसरे को देख पाते हैं। मंगलवार को कोर्ट में पेशी के दौरान दोनों एकसाथ लाए गए। मंगलवार को कोर्ट ले जाते समय दोनों एक ही वाहन में सवार थे और करीब एक घंटा 50 मिनट तक साथ रहे।

पहले माह भर में 07 हजार उपभोक्ता लेते थे गैस अब संख्या 10 हजार पार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिले के कुड़वार ब्लॉक में संचालित कमला इंडेन गैस एजेंसी पर अचानक उपभोक्ताओं के रिफिल लेने की संख्या बढ़ने से समस्या हो रही है। लेकिन कंपनी के नियमों के अनुसार एजेंसी संचालिका द्वारा लोड आने पर रिफिल उपलब्ध कराई जा रही है। पुरानी एजेंसी होने के नाते एजेंसी के पास करीब 20 हजार उपभोक्ता है। बता दे कि कमला गैस एजेंसी कुड़वार पर 13 हजार उज्ज्वला, 07 हजार सामान्य व 150 सौ एमडीएम व कमर्शियल गैस के उपभोक्ता है। बीते करीब डेढ़ माह से गैस की समस्या कंपनी द्वारा लोड कम किए जाने के बाद उत्पन्न हुई है।इसके पहले माह भर में 22 से 24 लोड इंडेन कंपनी द्वारा एजेंसी को दिए जाते थे तो किसी भी उपभोक्ता को समस्या नहीं होती थी। साथ ही जिले की अन्य एजेंसियों द्वारा डिलेवरी वाहन भेज कर सप्लाई कराई जाती थी लेकिन जब से गैस की किल्लत शुरू हुई तो सभी एजेंसियों ने सप्लाई बंद कर दी। ऐसे में सारे उपभोक्ताओं का लोड अकेले स्थानीय गैस एजेंसी पर पड़ गया है।गैस एजेंसी की संचालिका शिखा सिंह ने बताया कि कंपनी द्वारा जिस हिसाब से लोड मिल रहा है उसी तरह वितरण किया जा रहा है। उनके अनुसार अब तीसरे चौथे दिन लगभग 350 सिलेंडर का लोड कंपनी द्वारा दिया जा रहा है। लोड जिस दिन आता है उसके करीब तीन दिन पहले बुक किए गए सिलेंडर की ऑनलाइन बुकिंग सिस्टम पर दिखाई देती है। जिसमे करीब 490 सिलेंडर की ऑनलाइन बुकिंग दिखाई देती है। उन्होंने बताया कि जिन उपभोक्ताओं को ऑनलाइन बुकिंग के बाद डीएसी प्राप्त हो वे उपभोक्ता बुकिंग के लगभग चौथे या पांचवें दिन जब भी लोड आए तो गोदाम पहुंचकर तत्काल गैस प्राप्त करे।

रिश्ता तय होते ही भागा दूल्हा, शादी के लिए राजी नहीं हुए दो देवर तो तीसरे से ब्याही... फिर विदाई में ससुर ने कर दिया दुल्हन से खेल

आर्यावर्त संवाददाता

मिर्जापुर। शादी की कई अटपटी खबरें आपने सुनी या देखी होंगी। मगर उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले से शादी की ऐसी खबर सामने आई है, जो शायद ही पहले कभी आपने सुनी हो। यहां एक पिता को अपनी साख बचाने के लिए बारी-बारी से अपने चार बेटों के नाम आगे करने पड़े। हद तो तब हो गई जब चौथे बेटे ने शादी तो कर ली, लेकिन विदाई के समय दूल्हा और बाराती चुपके से फरार हो गए। अब लड़की पक्ष न्याय के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहा है।

पूरा मामला देहात कोतवाली क्षेत्र के एक गांव का है। यहां की एक युवती की शादी कछवां थाना क्षेत्र के एक युवक से 22 अगस्त 2025 को तय हुई थी। शादी की तारीख 20 अप्रैल 2026 निर्धारित थी। घर में खुशियों का माहौल था, लेकिन शादी से महज तीन दिन पहले यानी 17 अप्रैल को तय दूल्हा अचानक लापता हो गया।

लड़के के पिता ने 19 अप्रैल को

इसकी सूचना लड़की वालों को दी। बदनामी के डर से लड़के के पिता ने प्रस्ताव रखा कि वह अपने दूसरे नंबर के बेटे से शादी करवाएगा। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। दूसरा बेटा बीमार पड़ गया। उसने शादी से मना कर दिया। इसके बाद तीसरे बेटे की बात चली, पर उसने शादी से साफ इनकार कर दिया।

शादी का मंडप सज चुका था और लड़की वाले परेशान थे। मामला पुलिस तक पहुंचा। बदनामी और कानूनी कार्रवाई के डर से लड़के के पिता ने अंततः अपने चौथे (सबसे छोटे) बेटे को राजी किया। 20 अप्रैल को गाजे-बाजे के साथ बारात लड़की के घर पहुंची। हिंदू रीति-रिवाज के साथ चौथे बेटे और युवती की शादी संपन्न हुई। लड़की वालों को लगा कि बला टल गई और उनकी बेटी का घर बस गया।

सुबह का सन्नाटा और अजीब शर्त

असली ड्रामा अगली सुबह शुरू हुआ। जब लड़की पक्ष विदाई की रस्म के लिए उस स्थान पर पहुंचा जहां बारात रुकी थी, तो वहां का नजारा देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। दूल्हा, उसके पिता और सभी बाराती रात के अंधेरे में ही फरार हो चुके थे। जब लड़की के पिता ने दूल्हे के पिता को फोन किया, तो उसने एक अजीबोगरीब शर्त रख दी। लड़के के पिता का कहना है कि, "विदाई तभी होगी जब वह बड़ा लड़का (जिससे पहले शादी तय हुई थी) वापस आ जाएगा।" उसका तर्क है कि असली हकदार वही है और उसके मिलने पर ही डोली उठेगी। धूमधाम से शादी होने के बावजूद बेटी आज भी अपने मायके में बैठी है। दूल्हा पक्ष न तो उसे साथ ले जा रहा है और न ही कोई स्पष्ट जवाब दे रहा है। थके-हारे परिजन अब पुलिस अधीक्षक (SP) कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं ताकि उनकी बेटी को उसका अधिकार मिल सके। फिलहाल, पुलिस ने इस मामले में चुप्पी साध रखी है, लेकिन इलाके में यह शादी चर्चा का विषय बनी हुई है।

खेत से लौट रहे व्यक्ति पर घात लगाकर हमला, तीन गंभीर घायल

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुलतानपुर। बल्दीराय थाना क्षेत्र के सोरांव (कोट) गांव में सोमवार रात करीब 8 बजे खेत से घर लौट रहे एक व्यक्ति पर घात लगाकर हमला किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस हमले में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका इलाज लखनऊ ट्रॉमा सेंटर में चल रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी हसमुद्दीन खेत से वापस घर लौट रहे थे। जैसे ही वे बाजार के पास पहुंचे, पहले से घात लगाए बैठे कुछ हमलावरों ने उन पर लाठी-डंडों, कुल्हाड़ी, लोहे की रॉड और ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। हमलावरों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की नीयत से वार किए। हसमुद्दीन की चीख-पुकार सुनकर उनके परिजन मोहब्बतुद्दीन और नजमुद्दीन उन्हें बचाने पहुंचे, लेकिन हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया। इस हमले में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिसके बाद हमलावर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बल्दीराय ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल सुल्तानपुर रेफर किया गया, जहां से डॉक्टरों ने नाजुक स्थिति को देखते हुए सभी को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर भेज दिया। पीड़ित पक्ष ने थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मामले की जांच में जुटी है पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

1:50 बजे पहली, 3:35 पर दूसरी बेटी को मारा, कत्ल से पहले भाई को किया था दो बार फोन, कानपुर कांड में खुलासा

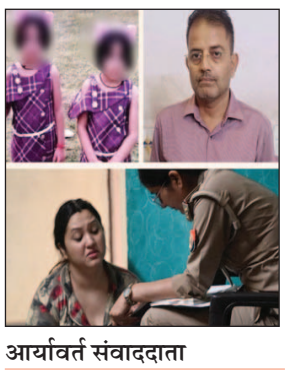

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर में जुड़वां बेटियों का कत्ल

कानपुर के किदवईनगर के-ब्लॉक स्थित त्रिमूर्ति अपार्टमेंट में शनिवार देर रात पिता शशिरंजन मिश्रा ने अपनी 11 साल की जुड़वां बेटियों रिद्धि-सिद्धि की नृशंस हत्या कर दी। आरोपी ने एक-एक कर दोनों बेटियों की गला दबाकर हत्या कर दी। बचने की गुंजाइश न रहे इसलिए गले पर चापड़ रखकर हथौड़े से वार किए। आरोपी ने वारदात से पहले बच्चियों को नशीली दवा भी खिलाई थी। पूरी वारदात कमरे में लगे सीसीटीवी में कैद है। हत्याकांड के डेढ़ घंटे बाद आरोपी ने तड़के खुद ही पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को बच्चियों के रक्तरंजित शव बेडरूम की फर्श पर पड़े मिले। पुलिस ने दूसरे कमरे में छह साल के बेटे संग सो रही मां रेशमा को जगाकर हत्याकांड की जानकारी दी तो वह बदहवास हो गईं।

आरोपी ने 2014 में मंदिर में किया था प्रेम विवाह

इसे उन्होंने मूलरूप से बिहार के गया निवासी शशिरंजन को 19 हजार रुपये प्रति माह किराये पर दे रखा है। शशिरंजन चंडीगढ़ की एक दवा कंपनी में सेल्स मैनेजर है। उसने स्वरूपनगर स्थित पार्लर में काम करने वाली मूलरूप से पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी निवासी रेशमा से वर्ष 2014 में मंदिर में प्रेम विवाह किया था।

कानपुर। कानपुर के किदवईनगर के त्रिमूर्ति अपार्टमेंट में हुए दोहरे हत्याकांड की जांच में शराब की लत एक अहम कारण के रूप में सामने आई है। गुस्से, तनाव और शराब की हमजोली ने पूरा परिवार बर्बाद कर दिया। आरोपी पिता पर अपनी मासूम जुड़वां बेटियों की हत्या का आरोप है। थाना प्रभारी के अनुसार, आरोपी की शराब की आदत को भी जांच का हिस्सा बनाया गया है। शुरुआती जांच से पता चला है कि दंपती में पहले से तनाव था। जो आरोपी के शराब पीने के बाद और बढ़ जाता था। घटना वाली रात उनके बीच हुए विवाद में नशे ने आग में घी का काम किया।

पुलिस आरोपी के व्यवहार, फोन रिकॉर्ड और दिनचर्या की गहन जांच कर रही है। पड़ोसियों के बयानों से भी घर में अक्सर झगड़े होने की जानकारी मिली है। मनोवैज्ञानिक संध्या शुक्ला के अनुसार, शराब सीधे अपराध नहीं कराती है।

यह व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। इससे छोटी-छोटी बातें भी बड़ा और गंभीर रूप ले लेती हैं। यही कारण है कि कई घरेलू हिंसा के मामलों में नशा एक सामान्य कारक के रूप में सामने आता है।

हत्या से पहले भाई को मिलाया फोन, उठा नहीं

शशिरंजन ने घटना से पहले भाई राजीव को फोन किया था पर उठा नहीं। दो घंटे बाद कॉल बैक की। इस बार भी फोन नहीं उठा। इस बात की पुष्टि पुलिस की जांच में हुई है। इंस्पेक्टर बहादुर सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, जब दोनों बच्चियां, पत्नी व बेटा अपने-अपने कमरे में सोने चले गए, उसके काफी देर बाद तक आरोपी फोन पर व्यस्त रहा। 12:48 बजे वह बच्चियों वाले कमरे में गया। उसने 1:50 बजे पहली और 3:35 बजे दूसरी बेटी की जान ली। 2:14 पर वह बेटी के साथ कमरे से बाहर निकलता दिख रहा है। दोनों बच्चियों को मारने के बाद वह 4:24 पर बाहर आया और दो बार किचन में गया। इसके बाद जूते पहनकर लॉबी में गया। वहां से 4:32 बजे पुलिस को सूचना दी।

बेटियां, पति... सब खोकर अब बंगाल लौटेंगी रेशमा

कानपुर के किदवईनगर के दोहरे हत्याकांड के बाद पीड़ित मां रेशमा ने अब कानपुर छोड़ अपने गृह राज्य पश्चिम बंगाल लौटने का फैसला किया है। दोनों जुड़वां बच्चियों को खोने के बाद वह पूरी तरह टूट चुकी हैं। जिस घर में कभी बेटियों की हंसी गूंजती थी, वहां अब सन्नाटा और दर्द भरी यादें रह गई हैं। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी के कलिम्पोंग निवासी रेशमा के भाई बालबहादुर और बहन हेमा छेत्री मंगलवार को शहर पहुंचे। दोनों को देखकर रेशमा की आंखों से आंसूओं का सैलाब फूट पड़ा। हाय दीदी, उसने दोनों को मार डाला.. कहकर वह बहन के गले लगी बिलख पड़ी। बहन ने ढांढ़स बंधाया और इस मुश्किल घड़ी में सहारा बनने का भरोसा दिया। भाई ने भावुक होकर कहा कि बच्चियों की जान लेने वाले को भगवान भी माफ नहीं करेगा। भाई ने बताया कि पश्चिम बंगाल में जल्द ही मतदान होना है, इसलिए वे एक दो दिन रुककर वापस लौट जाएंगे। हालांकि, 15 दिन बाद दोबारा कानपुर आएंगे और रेशमा को अपने साथ ले जाएंगे। परिजन के मुताबिक, रेशमा ने शादी के बाद ब्यूटी पार्लर की नौकरी छोड़ दी थी। घटना के बाद से वह गहरे सदमे में है और लगातार बच्चियों को याद कर रही हैं।

आरोपी ने बेटियों की हत्या का कारण नहीं कबूला

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि उसने पुलिस के सामने बेटियों की हत्या का कारण नहीं कबूला है। लखनऊ निवासी बैंककर्मी विवेक गुप्ता का त्रिमूर्ति अपार्टमेंट के भूतल में जी-4 फ्लैट है।

कक्षा पांच में पढ़ती थीं दोनों बेटियां

दोनों के जुड़वां बेटियों के अलावा बेटा रुद्रव उर्फ गन्नू (6) है। दोनों बेटियां कक्षा पांच में पढ़ती थीं। रविवार तड़के 4:32 बजे पुलिस कंट्रोल रूम पर शशिरंजन ने फोन कर जुड़वां बेटियों की हत्या करने की सूचना दी।

खून से सना चापड़ और हथौड़ा बरामद

पुलिस मौके पर पहुंची तो कमरे में हत्यारोपी पिता फर्श पर शवों के पास बैठा मिला। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने शवों के पास से खून से सना चापड़ और हथौड़ा बरामद किया है। पुलिस ने बेटियों की हत्या से अनजान दूसरे कमरे में सो रही मां को जगाकर वारदात की जानकारी दी। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

प्रयागराज में 'प्रतिभा सम्मान समारोह–2026' में मेधावी अभ्यर्थियों का सम्मान, उपमुख्यमंत्री ने किया उत्साहवर्धन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रयागराज में कोचिंग संस्थान संस्कृति आईएएस द्वारा आयोजित 'प्रतिभा सम्मान समारोह–2026' में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने चयनित मेधावी अभ्यर्थियों को सम्मानित किया। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग–2024 में सफलता प्राप्त करने वाले युवाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को देश और प्रदेश का भविष्य बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह के दौरान उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं संस्थान के निदेशक अखिल मूर्ति द्वारा सफल अभ्यर्थियों को मेडल, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।अपने संबोधन

में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासनिक सेवा में चयन केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की सेवा का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने युवाओं को ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि युवा देश, प्रदेश और अपने परिवारों के उज्ज्वल भविष्य के मजबूत स्तंभ हैं। उन्होंने आह्वान किया कि युवा अपने परिश्रम और प्रतिभा से राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएं।तीर्थराज प्रयाग की पावन धरती का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम की भूमि है, जो ज्ञान, साधना और परिश्रम की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज देशभर के प्रतियोगी छात्रों का प्रमुख केंद्र है, जहां विद्यार्थी कठिन परिस्थितियों में रहकर भी सफलता अर्जित करते हैं।उपमुख्यमंत्री ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत एवं विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण का लक्ष्य दोहराते हुए युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने परिवार, गांव और प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित कर रही है, जिससे योग्य और मेहनती अभ्यर्थियों को उनका अधिकार मिल रहा है। किसी भी प्रकार की अनियमितता पर सरकार कठोर कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है।इस अवसर पर संस्कृति आईएएस द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में एक सराहनीय पहल करते हुए 'फंडामेंटल कोर्स' का शुभारंभ किया गया, जिसे मात्र एक रुपये की टोकन राशि पर विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराया गया है। इस पहल की सराहना करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली छात्रों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।संस्थान के निदेशक अखिल मूर्ति ने विद्यार्थियों की सफलता में संस्थान की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षकगण—सी.बी.पी. श्रीवास्तव, ए.के. अरुण, राजकुमार एवं के.पी. द्विवेदी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।सम्मान प्राप्त करने वाले चयनित अभ्यर्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं संस्थान के सहयोग को दिया। उपमुख्यमंत्री ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि असफलता से निराश हुए बिना निरंतर प्रयास करते रहें, क्योंकि दृढ़ संकल्प और परिश्रम से ही सफलता प्राप्त होती है।इस अवसर पर सांसद प्रवीण पटेल, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, विधायक दीपक पटेल, राजेश शुक्ल, निर्मला पासवान सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्यजन की उपस्थिति रही।

दिल्ली रवाना होने से पहले मायावती ने कार्यकर्ताओं को दिए संगठन मजबूत करने के निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संगठन को मजबूत करने तथा आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में पूरी निष्ठा से जुटे रहने के निर्देश दिए हैं।मायावती ने अपने संदेश में कहा कि वह पार्टी के कार्य से दिल्ली जा रही हैं और कार्य पूरा होते ही शीघ्र वापस लौटेंगी। इस दौरान उत्तर प्रदेश में 31 मार्च 2026 को लखनऊ में आयोजित प्रदेश स्तरीय बड़ी बैठक में पार्टी संगठन को तैयार करने, कैडर के माध्यम से जनाधार बढ़ाने, आर्थिक मजबूती देने तथा विधानसभा आम चुनाव की तैयारियों से जुड़े जो दिशा-निर्देश दिए गए थे, उन पर पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अमल जारी रखा जाए।उन्होंने कहा कि स्थानीय बैठकों में उत्तर प्रदेश में बीएसपी सरकार के दौरान कराए गए विकास और जनहित के कार्यों की जानकारी लोगों तक अवश्य पहुंचाई जाए। साथ ही यह भी बताया जाए कि प्रदेश में बने कई एक्सप्रेस-वे तथा नोएडा में बने एयरपोर्ट सहित अनेक परियोजनाओं की योजना और रूपरेखा बीएसपी सरकार के समय ही तैयार की गई थी, जिन्हें उस समय केंद्र की कांग्रेस सरकार की नीतियों के कारण अपेक्षित गति नहीं मिल सकी।मायावती ने अपने संदेश में कहा कि उत्तर प्रदेश के समुचित विकास, सर्वसमाज की उन्नति तथा बेहतर कानून व्यवस्था के लिए 'कानून द्वारा कानून का राज' और 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की नीति पर आधारित शासन ही प्रभावी साबित हो सकता है।

फर्जी जीएसटी फर्म बनाकर 1.30 करोड़ की कर चोरी का भंडाफोड़, एक अभियुक्त गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। फर्जी जीएसटी फर्म बनाकर बड़े पैमाने पर कर चोरी करने वाले संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए थाना रहीमाबाद पुलिस, साइबर क्राइम एवं सर्विलांस टीम ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरोह द्वारा फर्जी फर्मों के माध्यम से लगभग 1 करोड़ 30 लाख रुपये के फर्जी लेनदेन का खुलासा हुआ है।इस संबंध में 4 अक्टूबर 2025 को वादी राम नरेश वर्मा, सहायक आयुक्त, राज्य कर, खंड-18, लखनऊ द्वारा थाना रहीमाबाद में तहरीर दी गई थी। तहरीर में बताया गया कि घोषित पते/व्यापार स्थल सर्वश्री सूरज इलेक्ट्रिकल सप्लायर, 67 गोपालपुर मडवाना, लखनऊ के नाम से संचालित फर्म अस्तित्वविहीन/फर्जी पाई गई, जो सुनियोजित तरीके से इनवॉइस जारी कर अनुचित रूप से इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ ले रही थी। इस पर थाना रहीमाबाद में मु0अ0सं0 148/2025 के तहत धारा 319(2)/318(4)/338/336(3)/340(2) बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया गया।विवेचना के दौरान थाना रहीमाबाद पुलिस ने साइबर क्राइम टीम के सहयोग से अभियुक्त रविंदर गिरि पुत्र मनमोहन लाल, निवासी ग्राम व पोस्ट दरेरी, थाना पड़ौहा, जनपद लखीमपुर खीरी, उम्र करीब 35 वर्ष को गिरफ्तार किया। अभियुक्त के कब्जे से तीन मोबाइल फोन और 710 रुपये नकद बरामद किए गए।पुलिस जांच में सामने आया कि अभियुक्त गरीब और जरूरतमंद लोगों को मुद्रा लोन दिलाने का लालच देकर उनके आधार, पैन, बैंक खाता और मोबाइल नंबर जैसे दस्तावेज प्राप्त करता था। इसके बाद फर्जी किरायानामा और बिजली बिल तैयार कर उनके नाम पर जीएसटी फर्मों का पंजीकरण कराता था। इन फर्जी फर्मों के माध्यम से करोड़ों रुपये की बोगस आईटीसी बेचकर अवैध कमीशन कमाया जाता था। साथ ही फर्जी इनवॉइस और ई-वे बिल तैयार कर लेनदेन को वैध दर्शाया जाता था।पुलिस के अनुसार अभियुक्त ने पूछताछ में अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। उसके द्वारा अपनाई गई कार्यप्रणाली के तहत अन्य व्यक्तियों के नाम पर सिम कार्ड जारी कराकर उन्हें अपने पास रखता था और उन्हीं सिम का उपयोग कर फर्जी जीएसटी फर्में संचालित करता था। इस अवैध गतिविधि के माध्यम से लगभग 1 करोड़ 30 लाख रुपये की राजस्व हानि पहुंचाई गई है।पुलिस टीम में उप निरीक्षक संदीप कुमार, उप निरीक्षक सैय्यद अहमद मेहदी जैदी, उप निरीक्षक प्रदीप सिंह तथा कांस्टेबल मनु कुमार शामिल रहे। वहीं स्वाट और सर्विलांस टीम में उप निरीक्षक प्रकाश सिंह, कांस्टेबल देशराज, कांस्टेबल नाहर सिंह और कांस्टेबल अमित तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विश्व पृथ्वी दिवस पर 'क्लीन एंड ग्रीन लखनऊ' अभियान, शहरभर में स्वच्छता और पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम

लखनऊ। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर लखनऊ नगर निगम द्वारा शहर भर में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। महापौर सुषमा खर्कवाल के नेतृत्व में "क्लीन एंड ग्रीन लखनऊ" अभियान के तहत नगर निगम की आईईसी टीम, एलएसए एवं लायन एनवायरो की ऑपरेशन टीम ने विभिन्न जोनों और वार्डों में कार्यक्रम आयोजित किए।अभियान के अंतर्गत जोन-7 के वार्ड-80 स्थित एक पार्क में विशेष सफाई कार्यक्रम चलाया गया, जहां प्लास्टिक एवं अन्य कचरे को एकत्र कर उसका निस्तारण किया गया तथा पौधारोपण कर हरित वातावरण का संदेश दिया गया। इस दौरान स्थानीय नागरिकों को कचरा पृथक्करण, स्वच्छता बनाए रखने तथा पर्यावरण संरक्षण के सरल उपायों के बारे में जागरूक किया गया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विरोध पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सपा–कांग्रेस पर साधा निशाना

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बुधवार को नोएडा में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए सपा और कांग्रेस द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विरोध तथा परिवारवाद के संरक्षण के मुद्दे पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि "महिलाएं संभालेंगी जिम्मेदारी, तो खत्म होगी पारिवारिक यारी।"उन्होंने कहा कि नोएडा केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के सबसे तेज प्रगति करने वाले शहरों में शामिल है। इस औद्योगिक नगरी में हजारों कंपनियां और उद्योग संचालित हो रहे हैं और राज्य की तरक्की का रास्ता इस शहर से होकर गुजरता है। उन्होंने कहा कि इस प्रगति में पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं की भी बराबर भागीदारी है।प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले के हालात से सभी परिचित हैं, जब शहरों में छेड़खानी की घटनाएं आम थीं और परिवारों को अपनी बेटियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी रहती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलता था, जबकि वर्ष 2017 में सरकार बनने के बाद प्रदेश में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अनेक प्रभावी कदम उठाए गए, जिससे महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हुई।उन्होंने कहा कि वर्तमान में नोएडा की आईटी कंपनियों, स्टार्टअप और उद्योगों में बड़ी संख्या में महिलाएं कार्यरत हैं। डबल इंजन सरकार के प्रयासों से बीते नौ वर्षों में राज्य में कामकाजी महिलाओं की संख्या बढ़कर लगभग 36-37 प्रतिशत तक पहुंच गई है।पंकज चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने महिला आरक्षण संशोधन विधेयक लाकर यह सुनिश्चित किया है कि सामान्य परिवारों की महिलाएं भी विधायक और सांसद बन सकें। उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प "सशक्त नारी, समृद्ध समाज, महिला आरक्षण से नया आगाज" है।विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस जैसी पार्टियां, जो परिवारवाद की राजनीति पर आधारित हैं, इस विधेयक का विरोध कर महिलाओं के सशक्तिकरण में बाधा डाल रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलों ने महिलाओं के जीवन में आने वाले ऐतिहासिक बदलाव का विरोध किया है और सामाजिक रूप से महिलाओं को मजबूत होने से रोकने का प्रयास किया है।तीन तलाक कानून का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्षी दल मुस्लिम महिलाओं के हितों के नाम पर राजनीति करते हैं, जबकि तीन तलाक कानून का विरोध कर उन्होंने अपनी वास्तविक मंशा उजागर की थी।

संक्षेप

बुद्धेश्वर क्षेत्र में व्यक्ति ने लाइसेंसी बंदूक से की आत्महत्या, पारिवारिक विवाद की आशंका

लखनऊ। थाना क्षेत्र के बुद्धेश्वर चौराहे के पास स्थित मोहल्ला भपटामऊ में एक व्यक्ति द्वारा गोली मारकर आत्महत्या किए जाने की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की। सूचना मिलते ही थाना स्थानीय पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की।प्रारंभिक जांच में मृतक की पहचान कप्तान सिंह सरदार (उम्र लगभग 55 वर्ष), मूल निवासी जनपद कासगंज के रूप में हुई है। वह वर्तमान में भपटामऊ क्षेत्र में निवास करते हुए सोने की कील का व्यापार करते थे तथा लाइसेंसधारक थे। उनके परिवार के कुछ सदस्य कासगंज में निवास करते हैं, जबकि वह अपने दो पुत्रों एवं बहुओं के साथ यहां रह रहे थे।पुलिस के अनुसार 22 अप्रैल 2026 को लगभग 11:30 बजे मृतक ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से स्वयं को गोली मार ली, जिससे मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। प्रथम दृष्टया घटना का कारण पारिवारिक विवाद प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस द्वारा अन्य सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए गहन जांच की जा रही है।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा अग्रिम विधिक कार्रवाई प्रचलित है। मौके पर शांति एवं कानून व्यवस्था सामान्य बनी हुई है।

हजरतगंज में व्यक्ति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

लखनऊ। थाना हजरतगंज क्षेत्र में एक व्यक्ति द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति को उसके पुत्र द्वारा मृत अवस्था में सिविल हॉस्पिटल हजरतगंज लाया गया है।सूचना पर पुलिस द्वारा की गई जांच में मृतक की पहचान शिव कुमार (उम्र लगभग 48 वर्ष), निवासी बुद्ध विहार कॉलोनी, गंदा नाला, हजरतगंज, लखनऊ के रूप में हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक ने अपने आवास पर छत के पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।पुलिस द्वारा मृतक के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु मर्चरी भेज दिया गया है। मौके पर शांति व्यवस्था सामान्य बनी हुई है। इस संबंध में मृतक के परिजनों अथवा अन्य किसी व्यक्ति द्वारा अभी तक कोई प्रार्थना पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। प्रार्थना पत्र प्राप्त होने पर जांच कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

लैंगिक शोषण के आरोपी को महानगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ। थाना महानगर क्षेत्र में लड़की के साथ लैंगिक शोषण के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में वादिनी द्वारा 21 अप्रैल 2026 को थाना महानगर में तहरीर दी गई थी, जिसके आधार पर तत्काल मुकदमा दर्ज किया गया।पुलिस के अनुसार प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना महानगर में मु0अ0सं0 69/2026 के अंतर्गत धारा 65(2)/137(2)/351(2) बीएनएस तथा धारा 5/6 पॉक्सो एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। विवेचना के दौरान थाना महानगर की पुलिस टीम ने 22 अप्रैल 2026 को आरोपी छेदी लाल पुत्र कन्हैया, निवासी मकान संख्या-09, नगर निगम फ्लैट कार्पोरेशन, अकबरनगर बंधा, सचिवालय कॉलोनी, थाना महानगर, लखनऊ, उम्र लगभग 56 वर्ष को सौमित्र वन के पास अकबरनगर बंधा क्षेत्र से नियमानुसार गिरफ्तार किया।पूछताछ में प्रकाश में आया कि आरोपी ने वादिनी की पुत्री को अपनी स्कूटी पर बहला-फुसलाकर तिकोनिया पार्क के पीछे स्थित एक सुनसान गली में कपड़े प्रेस करने की दुकान (मड़ईया) में ले जाकर शराब के नशे में गलत नियत से उसके निजी अंगों के साथ छेड़छाड़ की तथा उसे धमकाया।गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है तथा प्रकरण में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में अतिरिक्त निरीक्षक प्रदीप सिंह, उप निरीक्षक अनुराग कुमार सिंह, उप निरीक्षक कुलदीप कुमार यादव तथा कांस्टेबल विशाल सिंह शामिल रहे।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। थाना सआदतगंज पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस के अनुसार दिनांक 11 अप्रैल 2026 को वादिनी की तहरीर के आधार पर थाना सआदतगंज में मु0अ0सं0-076/2026 धारा 65(1)/351(2)/352 बीएनएस व धारा 3/4(2), 5(L)/6 पॉक्सो एक्ट के तहत समीर उर्फ हयात पुत्र चांद बाबू निवासी मैदान एल.एच. खां, थाना सआदतगंज, लखनऊ के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया था।तहरीर में वादिनी ने बताया कि अभियुक्त ने उनकी 14 वर्षीय पुत्री को अपनी बातों के जाल में फंसाकर शादी का झांसा दिया और उसके साथ कई बार जबरन शारीरिक संबंध बनाए। साथ ही अभियुक्त द्वारा वादिनी और उनकी मां के साथ गाली-गलौज, मारपीट तथा जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया था।मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना सआदतगंज पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई। विवेचना के दौरान मुखबिर की सूचना पर नामजद अभियुक्त सैय्यद हयात हुसैन उर्फ समीर (उम्र करीब 19 वर्ष) निवासी 390/220 न्यू नजफ रोड, रूस्तमनगर हुसैनी गुलिस्तान कॉलोनी, थाना सआदतगंज, लखनऊ को 22 अप्रैल 2026 को समय लगभग 7:40 बजे लाल पैथ लैब के पास से नियमानुसार गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है तथा अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सन्तोष कुमार आर्य, उपनिरीक्षक अजय कुमार चौरसिया, उपनिरीक्षक रामेश्वर यादव तथा कांस्टेबल बृजेश यादव थाना सआदतगंज, कमिश्नरेट लखनऊ शामिल रहे।

अमीनाबाद में पर्स चोरी की घटना का खुलासा, महिला गिरफ्तार, नकदी बरामद

लखनऊ। अमीनाबाद क्षेत्र में कपड़े की दुकान से पर्स चोरी की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक महिला को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अभियुक्ता के कब्जे से चोरी की गई नकदी भी बरामद की है।पुलिस के अनुसार दिनांक 21 अप्रैल 2026 को शाम लगभग 6 बजे अमीनाबाद क्षेत्र के प्रताप मार्केट स्थित एक कपड़े की दुकान पर वादिनी नेहा दूबे निवासी विशाल खण्ड, गोमतीनगर खरीददारी करने आई थीं। इसी दौरान एक अज्ञात महिला द्वारा उनका पर्स चोरी कर लिया गया, जिसमें लगभग 10,000 रुपये नकद रखे थे। इस संबंध में थाना अमीनाबाद पर मु0अ0सं0 27/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया और विवेचना उपनिरीक्षक माधव शर्मा को सौंपी गई।विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही थी।

गुंडा एक्ट के तहत चार मनबढ़ व्यक्तियों को किया गया जिला बदर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। कमिश्नरेट लखनऊ पुलिस द्वारा लोक शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से चार मनबढ़ एवं दबंग व्यक्तियों को उ0प्र0 गुंडा नियंत्रण अधिनियम-1970 के तहत गुंडा घोषित करते हुए लखनऊ जनपद की सीमा से निष्कासित (जिला बदर) किया गया है।यह कार्रवाई संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था), लखनऊ के न्यायालय द्वारा उ0प्र0 गुंडा नियंत्रण अधिनियम-1970 की धारा-03 के अंतर्गत की गई। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में 22 अप्रैल 2026 को संबंधित व्यक्तियों को निर्धारित अवधि के लिए जिला बदर किया गया है।जिला बदर किए गए व्यक्तियों में थाना पीजीआई क्षेत्र के राजेन्द्र प्रसाद (उम्र लगभग 41 वर्ष) पुत्र उमाशंकर प्रसाद, निवासी 5ई4/122 वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड, लखनऊ तथा रुकमणी राय (उम्र लगभग 39 वर्ष) पत्नी राजेन्द्र प्रसाद, निवासी उक्त पते को 6 माह की अवधि के लिए जिला बदर किया गया है। इसी क्रम में थाना बंथरा क्षेत्र के अमित रावत उर्फ राजा (उम्र 23 वर्ष) पुत्र संजय रावत, निवासी ग्राम नानमऊ, थाना बंथरा, लखनऊ को भी 6 माह की अवधि के लिए जिला बदर किया गया है।इसके अतिरिक्त थाना मोहनलालगंज क्षेत्र के रामखिलावन उर्फ रामखेलावन (उम्र लगभग 48 वर्ष) पुत्र देवकरन, निवासी ग्राम कल्लीपूरब टिकरा, थाना मोहनलालगंज, लखनऊ को 3 माह की अवधि के लिए जिला बदर किया गया है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इन व्यक्तियों की गतिविधियां लोक शांति एवं कानून व्यवस्था के लिए खतरा बन रही थीं। इसी के मद्देनजर न्यायालय के आदेश पर इन्हें निर्धारित अवधि के लिए जनपद की सीमा से निष्कासित किया गया है तथा संबंधित थानों में हाजिरी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

स्मार्ट मीटर योजना 'डिजिटल लूट' बन चुकी, जनता से हो रहा धोखा : वंशराज दुबे

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने स्मार्ट मीटर योजना को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। बुधवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर योजना, जिसे प्रदेश में डिजिटल क्रांति के रूप में प्रस्तुत किया गया था, आज "डिजिटल लूट" का सबसे बड़ा माध्यम बन चुकी है।उन्होंने कहा कि रिचार्ज समाप्त होते ही उपभोक्ताओं की बिजली तुरंत काट दी जाती है, जबकि रिचार्ज करने के बाद भी 2 से 12 घंटे तक बिजली बहाल नहीं होती, जो सरकार की नीयत और व्यवस्था दोनों पर गंभीर सवाल खड़े करता है।प्रेस वार्ता में वंशराज दुबे ने कहा कि वर्ष 2019-20 में यह दावा किया गया था कि स्मार्ट मीटर लगाकर उत्तर प्रदेश को तकनीकी रूप से उन्नत बनाया जाएगा, लेकिन वास्तविकता यह है कि यह योजना पूरी तरह विफल साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर अब इतने "स्मार्ट" हो गए हैं कि पैसा खत्म होते ही तुरंत बिजली काट देते हैं, लेकिन रिचार्ज के बाद बिजली देने में घंटों लगा देते हैं।उन्होंने दावा किया कि पावर कॉरपोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश के लगभग 2 लाख उपभोक्ताओं को समय से बिजली नहीं मिल रही है। प्रदेश में अब तक करीब 78 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, जिनमें लगभग 70 लाख प्रीपेड मीटर शामिल हैं। 13 मार्च से 10 अप्रैल के बीच करीब 50 लाख उपभोक्ताओं के कनेक्शन बैलेंस समाप्त होने के कारण काट दिए गए, जबकि रिचार्ज के बाद भी लाखों उपभोक्ताओं को घंटों बिजली का इंतजार करना पड़ा।

बीबीएयू में 'विश्व पृथ्वी दिवस' पर कार्यक्रम आयोजित, पर्यावरण संरक्षण पर दिया गया जोर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 22 अप्रैल को 'विश्व पृथ्वी दिवस' के अवसर पर भू-विज्ञान विभाग एवं सतत विकास लक्ष्य समिति के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष विश्व पृथ्वी दिवस–2026 की आधिकारिक थीम 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में अवध प्रांत, लखनऊ के डिस्ट्रिक्ट फॉरेस्ट ऑफिसर शितांशु पाण्डेय उपस्थित रहे।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एमेरिटस प्रो. अशोक साहनी, कार्यक्रम समन्वयक एवं भू-विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. नरेंद्र कुमार तथा सतत विकास लक्ष्य समिति के अध्यक्ष प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा मंचासीन रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं बाबासाहेब के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। विश्वविद्यालय कुलगीत के पश्चात आयोजन समिति की ओर से अतिथियों को पौधा भेंट कर स्वागत किया गया।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में 'धर्मो रक्षति रक्षितः' का सिद्धांत अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसका अर्थ है कि जो धर्म की रक्षा करता है, वही सुरक्षित रहता है। उन्होंने कहा कि प्रकृति भी हमारे धर्म का अभिन्न अंग है, इसलिए उसकी रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने संसाधनों के संतुलित उपयोग तथा रीयूज़, रिड्यूस और रीसायकल जैसे सिद्धांतों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही विद्यार्थियों को जल संरक्षण, पौधारोपण और स्वच्छता जैसे छोटे-छोटे प्रयासों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।मुख्य अतिथि शितांशु पाण्डेय ने कहा कि हमारे वेदों में 'माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः' का उल्लेख मिलता है, जिसका अर्थ है कि पृथ्वी हमारी माता है और हम सभी उसकी संतान हैं। उन्होंने कहा कि सस्टेनेबिलिटी केवल एक अभ्यास नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। उन्होंने बताया कि वन केवल पेड़ों का समूह नहीं, बल्कि महत्वपूर्ण कार्बन सिंक के रूप में कार्य करते हैं, जो वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में सहायक होते हैं।विशिष्ट अतिथि प्रो. अशोक साहनी ने पृथ्वी पर जीवन के विकास की प्रक्रिया पर अपने विचार रखते हुए बताया कि प्रारंभिक जीवों में दृष्टि का अभाव था, लेकिन समय के साथ पर्यावरणीय अनुकूलन के कारण दृष्टि और संचलन का विकास हुआ, जिससे जीवों के अस्तित्व की संभावनाएं बढ़ीं।

महिला आरक्षण,परिसीमन संविधान संशोधन बिल, आखिर पारित क्यों नहीं हो पाया

लोकसभा सरकार द्वारा पेश महिला आरक्षण, परिसीमन संविधान संशोधन बिल पारित नहीं हो सका है क्योंकि सरकार दो तिहाई समर्थन नहीं जुटा सकी इसलिए 298 मत लाकर गिर गया। विपक्ष ने कोई सहयोग नहीं किया कांग्रेस,सपा, डीएमके, तुड़मूल कांग्रेस, बीजेडी, सीपीएम, सीपीई, क्रस्क्क, सहित डालो विरोध में 230 का अकड़ा जूता लिया जबकि सरकार को 336 मतों की आवश्यकता थी।

इससे पहले लोकसभा में जमकर बहस हुई।बिल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रस्तुत किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, निशिकांत दुबे, के सी वेणुगोपाल,आदि नेताओं ने भाग लिया। इस बिल के गिरने से सरकार अचरज में नहीं है उसे पहले ही मालूम था।इसी लिए उसने जो बिल का प्रारूप पेश किया वह महिला आरक्षण तो था ही था बल्कि सरकार की मनसा परिसीमन बिल की अधिक थी ।2014 में जब भारतीय जनता पार्टी की नरेंद्र मोदी सरकार आई है।12 वर्ष में सत्ता और विपक्ष में कटुता इतनी बढ़ गई है कि राहुल गांधी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात भी नहीं होती है।जिस तरह से राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, और अन्य कांग्रेस नेता आरोप लगा ते रहते हैं कि भारत लोकतांत्रिक संस्थाओं को हाइजैक कर लिया है। सर्वोच्च न्यायालय से लेकर चुनाव आयोग तक कांग्रेस ने निष्पक्षता के कटघरे खड़ा कर दिया है। कांग्रेस का आरोप है कि श्वष्ठ, सीबीआई,ह्ष्टक्रञ्जश्व,ह्द्भूर, आदि को भी कांग्रेस नेताओं के खिलाफ इस्तेमाल किया जा रहा है। राज्यों के विधानसभा चुनाव में आयोग की भूमिका को संदेहास्पद मानती है यहां तक कि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला,चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ भी महायोग का नोटिस दिया जा चुका है। अन्य पार्टियां जैसे तुड़मूल कांग्रेस, बीजेडी, सीपीएम, सीपीई, क्रस्क्क, सपा, डीएमके, भारतीय जनता पार्टी को दुश्मन मानती है। परिसीमन बिल में मुख्य अपत्ति यह थी सरकार कैसे तय कर रही है क्योंकि यह तो चुनाव आयोग या परिसीमन आयोग को निर्णय करना चाहिए वह भी काफी एक्सरसाइज के बाद जबकि बिल में लिखा गया लोकसभा संख्या 850 होगी जिसमें से 35 यूनियन टेरोटरी के लिए आरक्षित होंगी।बिल राज्य बार पचास फीसदी सीट लोकसभा में बढ़ाने का प्रस्ताव था इसी प्रकार राज्यों की विधानसभा सीटों बढ़ेगी। हालांकि दक्षिण भारत के राज्यों में 129 के बजाय 195 सीट का प्रस्ताव था आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, में 24 फीसदी सीट तय की गई जो वर्तमान से कुछ ही अधिक है। लेकिन विपक्ष की आपत्ति उत्तर प्रदेश में 120, महाराष्ट्र में 78, मध्य प्रदेश में 59,इसी प्रकार राजस्थान, दिल्ली, बिहार, गुजरात, हरियाणा,को लेकर थी।

लेकिन समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने सदन में कह दिया कि हम इस बिल विरोध करेंगे चाहे ह्ष्ठ्र किसी महिला तो ही प्रधानमंत्री बना दे । राहुल गांधी ने तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ ही यह कह कर भाषण दिया कि महिला आरक्षण तो बहाना है असली बात तो परिसीमन की है। लेकिन प्रस्ताव कोई कमी नहीं थी ।

कुल मिलाकर नरेंद्र मोदी की सरकार और भारतीय जनता पार्टी विपक्ष से कोई उम्मीद नहीं रखे। कांग्रेस और अन्य पार्टियां की पीड़ा है कि अब गिने चुने राज्य रहगये है जहां सरकार अन्य पार्टियां की है जिनमें झारखंड, जम्मू कश्मीर, हिमाचल, कर्नाटक, ही है।

ये पहला मौका जब विपक्ष एक जुट हुआ है क्योंकि 12 वर्ष में मोदी सरकार ने कभी भी लोकसभा या राज्यसभा में बिल गिरने नहीं दिया है यहां तक कि जम्मू कश्मीर से संविधान की अनुच्छेद 370 पर भी सरकार हारी नहीं थी चाहे वह जीएसटी का मामला हो।

12 वर्ष जिस तरह मोदी सरकार ने कार्य ही नहीं किया बल्कि राज्य विधानसभा चुनाव में दो बार उत्तर प्रदेश,तीन बार बिहार,तीन बार मध्यप्रदेश,दो बार राजस्थान,तीन बार गुजरात,तीन बार हरियाणा,तीन बार उत्तराखंड,दो बार छत्तीसगढ़, ओडिशा,दो बार महाराष्ट्र,सहित 75 चुनाव जीते हैं बस यही कसक कांग्रेस को खाए जा रही है। सपा, डीएमके, तुड़मूल कांग्रेस, बीजेडी, सीपीएम, सीपीई,भी इसी कसक में जले भुजे जा रहे हैं।

भाजपा के हाथ कानून की तरह लंबे

अब भाजपा के पास एक बटन भी होता है तो वह ओवरकोट का इंतजाम कर लेती है। यानी जीतने के लिए 30 वोट की जरुरत है और भाजपा के पास तीन वोट हैं तो वह चुनाव लड़ सकती है और जीत भी सकती है।

अजीत द्विवेदी

हर दो साल पर होने वाले राज्यसभा चुनाव में आम लोगों की तो कम लेकिन राजनीति में दिलचस्पी रखने वालों की बड़ी रूचि होती है। कौन उम्मीदवार होगा से लेकर कौन जीतेगा तक सारी चीजें बहुत दिलचस्प होती हैं। सबसे ज्यादा रोचक मामला विधायकों के वोट डालने का होता है। माननीय विधायक इसमें मतदाता होते हैं। यानी जिन लोगों को कई लाख लोग वोट देकर चुनते हैं वे राज्यसभा का सांसद चुनते हैं और सोचें, उनके भी वोट गलत तरीके से डाले जाने की वजह से अवैध हो जाते हैं! क्या यह बात किसी के गले उतरती है कि कोई विधायक ठीक ढंग से वोट नहीं डाल पाएगा? जाहिर है वह जान बूझकर अपना वोट अवैध कराता है। फिर सवाल है कि ऐसे नाटक की क्या जरुरत है? इसमें एक पहलू यह भी है कि राज्यसभा चुनाव में वोट अवैध होने या क्रॉस वोटिंग करने की घटनाएं प्रत्यक्ष रूप से भाजपा के शक्तिशाली होते जाने के समानुपातिक हैं। यानी जैसे जैसे भाजपा मजबूत हो रही है वैसे वैसे राज्यसभा चुनाव में गड़बड़ी और भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है। राज्यसभा का चुनाव सांस्थायिक भ्रष्टाचार की व्यवस्था बनता जा रहा है।

बहरहाल, 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर हुए चुनाव के बाद जो सबसे अपरिहार्य आवश्यकता दिख रही है वह ये है कि राज्यसभा चुनाव में वोटिंग के तरीके में बदलाव किया जाए। हर चुनाव में भाजपा जो करती है वह अलग है। उसे तो नहीं रोका जा सकता है। वह तो साम, दाम, दंड और भेद चारों तरीकों का इस्तेमाल करती रहेगी। भाजपा के शक्तिशाली होने के पहले जब कांग्रेस का दौर था, तब भी थोड़ी बहुत गड़बड़ होती थी। लेकिन अब वह गड़बड़ी कई गुना बढ़ गई है।

अगर एक रूपक के हिसाब से कहें तो कांग्रेस के पास ओवरकोट होता था, वह कहीं से एकाध बटन लगाने का बंदोबस्त करती थी। अब भाजपा के पास एक बटन भी होता है तो वह ओवरकोट का इंतजाम कर लेती है। यानी जीतने के लिए 30 वोट की जरुरत है और भाजपा के पास तीन वोट हैं तो वह चुनाव लड़ सकती है और जीत भी सकती है। सो, इसका तो कोई उपाय नही हो सकता है। इसी सचाई के बीच पार्टियों को सर्वाइवल के उपाय करने होंगे। हां, अगर चुनाव आयोग वोटिंग के नियम भी बदल दे तो कई तरह की नौटकियों से मुक्ति मिल जाएगी। ऐसी नौटकियों से जिसकी किसी सभ्य लोकतांत्रिक समाज में जगह नहीं होनी चाहिए। इसके लिए कुछ नहीं करना है। वोटिंग के तरीके को सरल बना दिया जाए। इसमें सबसे पहला बदलाव तो यह करने की जरुरत है कि अगर राज्यसभा का चुनाव ओपन बैलेट से होता है और चुनाव में दलबदल का कानून लागू नहीं होता है तो इसे पूरी तरह से ओपन कर देना चाहिए। इस नौटंकी का कोई मतलब नहीं है कि ओपन बैलेट से वोट करेंगे लेकिन वोट सिर्फ अपनी पार्टी के पोलिंग एजेंट को दिखाएंगे। अगर किसी दूसरे व्यक्ति ने देख लिया तो वोट अवैध हो जाएगा। क्यों भाई, दूसरे ने देख लिया तो क्यों अवैध हो जाएगा? जब वह विधायक किसी को भी वोट दे, उसके खिलाफ दलबदल कानून नहीं लागू होना है तो उसका वोट कोई भी देख ले, उससे क्या फर्क पड़ता है? सोचें, पार्टी के पोलिंग एजेंट को पता है कि उसकी पार्टी का विधायक है तो वह पार्टी के उम्मीदवार को वोट करेगा। अगर वह पार्टी उम्मीदवार को वोट नहीं करेगा यानी क्रॉस वोटिंग करेगा तब भी पोलिंग एजेंट को उसे अपना वोट दिखाना ही है। वह जिसके पक्ष में क्रॉस वोटिंग करेगा उसको पहले से पता होगा कि क्या होने वाला है। और क्रॉस वोटिंग के बावजूद उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो सकती है। फिर भी यह नौटंकी चलती है कि अगर दूसरा व्यक्ति वोट देख लेगा तो वोट अवैध हो जाएगा। इसका सीधा समाधान तो यह है कि राज्यसभा चुनाव में ओपन बैलेट हो, विधायक बता कर वोट करें कि वे किसको वोट दे रहे हैं और वोट अवैध करने की व्यवस्था ही समाप्त हो। या तो वोट अवैध करने की व्यवस्था समाप्त हो या फिर क्रॉस वोटिंग करने पर दलबदल कानून लागू करने का प्रावधान किया जाए। इससे राज्यसभा चुनाव में होने वाले बेहिसाब भ्रष्टाचार कुछ कम होगा। इसी तरह की एक नौटंकी यह है कि एक खास तरह के पेन से ही वोट देना होगा। अगर पेन बदल गया या स्याही बदल गई तो वोट अवैध हो जाएगा। हरियाणा में कुछ साल पहले ऐसा ही हुआ था। जब पेन बदलने से कांग्रेस के 14 में से 13 विधायकों का वोट अवैध हो गया था। इस वजह से इनेलो व कांग्रेस के साझा उम्मीदवार आरके आनंद चुनाव हार गए थे। सवाल है कि इतनी सुरक्षा व्यवस्था में मतदान होता है और बैलेट पर अपनी प्राथमिकता लिख कर विधायक अपना वोट बक्से में डालते हैं, जो सबके सामने होता है और सबके सामने खुलता है तो फिर उसमें क्या गड़बड़ी हो सकती है, जिसे रोकने के लिए पेन और स्याही की ऐसी व्यवस्था बनाई गई है? पहले ठप्पा लगाने की व्यवस्था थी। उसे बहाल किया जाए और वोटिंग के समय ठप्पा थोड़ा इधर उधर या ऊपर नीचे हो जाने के आधार पर वोट अवैध न किया जाए। सोचें, कैसे कैसे कारण से वोट अवैध हो जाते हैं।

इस बार हरियाणा के राज्यसभा चुनाव में एक विधायक का वोट इसलिए अवैध हो गया क्योंकि उसने पहली प्राथमिकता का वोट देने के लिए अंक में 1 लिखने के बाद उसके आगे डॉट लगा दिया था। ऐसी ही छोटी छोटी बातों पर पहले भी वोट अवैध होते रहे हैं। जैसे किसी ने प्राथमिकता स्पष्ट रूप से नहीं लिखी या किसी ने लिखी तो नंबर ऊपर या नीचे हो गया या किसी ने अपने पोलिंग एजेंट को वोट दिखाया तो दूसरे ने भी देख लिया आदि आदि। इसलिए ऐसी बातों की बजाय चुनाव की बिल्कुल सरल व्यवस्था बनानी चाहिए। राज्यसभा में मतदाता गिनती के होते हैं। सामने टेबल लगा कर सभी पार्टियों के पोलिंग एजेंट बैठें और वोट देने आए विधायक से पूछ लिया जाए कि वह किसको वोट कर रहा है और उस उम्मीदवार के आगे उसका नाम दर्ज कर दिया जाए। न कोई झंझट है और न वोट अवैध होने की चिंता है। कहा जाता है कि दलबदल कानून इसलिए नहीं लगाया जाता है ताकि विधायक अंतरात्मा की आवाज पर वोट कर सकें। सबको पता है कि अंतरात्मा हमेशा पार्टी उम्मीदवार के खिलाफ वोट करने के लिए प्रेरित करती है क्योंकि अंतरात्मा पार्टी के प्रति निष्ठा से ज्यादा दूसरी चीजों से प्रभावित होती है। फिर भी सवाल है कि जब अंतरात्मा की आवाज पर वोट करना है तो छिपाना क्या है? अंतरात्मा की आवाज तो सबसे ऊंची और स्पष्ट होनी चाहिए, जिसे हर व्यक्ति सुने। अंतरात्मा की आवाज कोई पाप तो है नहीं कि उसे छिपाना है। जो विधायक जान बूझकर वोट अवैध कराते हैं उनको भी इससे मुक्ति मिलनी चाहिए। जब वोट अवैध कराने का नियम खत्म हो जाएगा तो उनकी आत्मा पर से भी बोझ उतर जाएगा। वे या तो ईमानदारी से अपनी पार्टी के उम्मीदवार को वोट देंगे या अंतरात्मा की आवाज पर दूसरी पार्टी के उम्मीदवार को वोट करेंगे। सो, अगर वोटिंग के नियमों की जटिलता को खत्म कर दिया जाए तो बहुत सारी नौटंकियां बंद हो जाएंगी। राज्यसभा चुनावों में यह भी देखने को मिलता है कि विधायकों को दूसरे राज्यों में ले जाया जाता है, रिसॉर्ट में रखा जाता है और वोटिंग के दिन लाया जाता है। लेकिन इतिहास गवाह है कि इसके बावजूद जिसको अंतरात्मा की आवाज पर वोट डालना है वह डालता ही है। पुरानी कहावत है कि लाख पतझड़ आएं लेकिन जो फूल खिलने हैं वो खिल कर रहेंगे उसी तरह कोई पार्टी अपने विधायकों को कितना भी छिपा ले अगर उसकी अंतरात्मा भाजपा की ओर जाने के लिए प्रेरित करेगी तो वह जाएगा ही। इसलिए पार्टियों को यह नौटंकी भी बंद करनी चाहिए और स्वीकार कर लेना चाहिए कि भाजपा के हाथ भी कानून की तरह लंबे हैं, कहीं भी पहुंच सकते हैं।

टिप्पणी

तजुर्बे को झेलना आसान नहीं

शीत युद्ध की समाप्ति के बाद उभरी एक-ध्रुवीय दुनिया में ऐसी मिसाल ढूंढे नहीं मिलेगी। ईरान का यह एलान चौंकाने वाला है कि वह अपनी शर्तों और अपने चुने हुए समय पर लड़ाई रोकेगा। ईरान ऐसा करने की स्थिति में आखिर कैसे पहुंचा?

कोई देश अमेरिकी फॉर्मूले को ठुकरा कर युद्ध खत्म करने के लिए अपनी शर्तें पेश करे, दुनिया के लिए यह नया तजुर्बा है। खासकर शीत युद्ध की समाप्ति के बाद उभरी एक-ध्रुवीय दुनिया में ऐसी मिसाल ढूंढे नहीं मिलेगी। इसीलिए ईरान का यह एलान चौंकाने वाला साबित हुआ कि वह अपनी शर्तों और अपने चुने हुए समय पर लड़ाई रोकेगा। ईरान ऐसा करने की स्थिति में पहुंचा, तो उसकी संभवतः तीन वजहें हैं। एक तो वहां का नेतृत्व मरने-मारने की मनोदशा में है, दूसरे डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने जारी वार्ता के बीच दो बार हमले कर अपनी साख गंवा दी है, और तीसरे लगभग चार हफ्तों में ईरान ने युद्ध की कथा बदल डाली है।

ईरान की जबरदस्त बर्बादी एक तथ्य है। अमेरिका के मुताबिक उसने लगभग दस हजार ईरानी ठिकानों पर बमबारी की है। मगर लड़ाई का एक दूसरा पक्ष भी है। अमेरिका के एक प्रमुख अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिका के 13 सैनिक अड्डों को इस तरह तबाह किया है कि वहां किसी का रहना संभव नहीं रह गया है। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान लगभग 20 अमेरिकी लड़ाकू विमान या तो नष्ट कर दिए गए या वे क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें अमेरिका का सबसे आधुनिक लड़ाकू विमान एफ-35 भी है। इसी तरह अमेरिका के बहुचर्चित बेड़े अब्राहम लिंकन और जेराल्ड फोर्ड पर ईरान ने मिसाइलें दागीं, जिनसे उन्हें नुकसान होने की चर्चा रही है।

इस बीच इजराइल के अंदर ईरानी मिसाइलों ने अंदर तक घुस कर मार की है। ऐसे में नए ईरानी नेतृत्व का आकलन संभवतः यह है कि जमीनी हमले की तैयारी के साथ-साथ अमेरिका युद्धविराम का फॉर्मूला भी भेज रहा है, तो उस पर यकीन नहीं किया जा सकता। फिर, जब युद्ध में ईरान को अपने सर्वोच्च नेतृत्व को गंवाने से लेकर जान-माल की व्यापक क्षति झेलनी पड़ी है, तो पुराने मुद्दों और उन्हीं अमेरिकी शर्तों पर फिर बात करने का कोई तुक नहीं रह जाता। तो ईरान ने अमेरिकी फॉर्मूला ठुकरा दिया है। अमेरिकी शासक वर्ग के लिए इस तजुर्बे को झेलना आसान नहीं होगा।

ब्लॉग

विकास और सुशासन के मुद्दों पर भी काम करे मीडिया

प्रो. (डा.) संजय द्विवेदी

मीडिया की ताकत आज सर्वव्यापी है और कई मायनों में सर्वग्रासी भी। ऐसे में विकास के सवालों और उसके लोकव्यापीकरण में मीडिया की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो उठी है। यह एक ऐसा समय है, जबकि विकास और सुशासन के सवालों पर हमारी राजनीति में बात होने लगी है, तब मीडिया में यह चर्चाएं न हों यह संभव नहीं है। समाज विकास की प्रक्रिया और उसकी आकांक्षाएं मीडिया में दर्ज हों, ऐसी उम्मीद की जाती है। इन विषयों की रिपोर्टिंग के लिए तमाम पत्रकार आगे आ रहे हैं। वैश्विक स्तर पर भी विकास की पत्रकारिता को एक नई नजर से देखा जा रहा है। भारत में विकास की पत्रकारिता और उसके सवालों से जूझने के लिए पत्रकारों की एक पूरी पीढ़ी तैयार है, किंतु मुख्यधारा के मीडिया के द्वारा इन विषयों को तरजीह न दिए जाने के कारण निराशा ही हाथ लगती है। संकट पत्रकारों की ओर से नहीं, मीडिया संस्थानों और प्रबंधकों की ओर से है। विकास का मुद्दा क्या सिर्फ सरकारी विज्ञापनों का विषय है, सरकारी मीडिया का विषय है, या यह समाज में हो रहे नवाचारों का भी विषय है। विकास पत्रकारिता को पाठ्यक्रम के साथ मीडिया कर्म का भी हिस्सा होना चाहिए।राजनीति

भारत जैसे विविधता और बहुलता भरे समाज में सभी उम्मीदों, सपनों और बदलावों को रेखांकित कर पाना कठिन है। क्योंकि विकास के अनेक तल हैं और देश में समाज की रचना भी बहुस्तरीय है, देश में कहावत प्रचलित है 'चार कोस पर पानी बदले आठ कोस पर वाणी' , इसलिए किसी राज्य को भी एक ही पैमाने से नहीं नापा जा सकता। जैसे मध्य प्रदेश में एक तरफ समृद्ध मालवा है, तो दूसरी और झाबुआ जैसे इलाके भी हैं। एक तरफ इंदौर की चमक है, तो दूसरी ओर अलीराजपुर जैसे क्षेत्र भी हैं। छत्तीसगढ़ में अबूझमाड़ है, तो भिलाई भी है। ऐसे में पत्रकारों या विकास के सवालों पर लिखने वालों की चुनौतियां बढ़ जाती हैं। इसी तरह विकास की भूमिका भी यहां विस्तृत और परिवर्तित हो जाती है। हम देखें तो 1950 के पहले आर्थिक विकास हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण था। किंतु 1950 के बाद की चिंताएं अलग हो गयी। बाद के दिनों में सामाजिक विकास को एक बड़ा कारक माना जाने लगा है। सामाजिक न्याय से लेकर स्थाई विकास के सवाल अब बड़े हो गए हैं। यहां तक कि पर्यावरण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी चीजें भी हमारे सामने हैं। एक समय में विकसित और विकासशील देशों की बहसें भी हमने सुनीं जिनमें मैकब्राइड कमीशन की रिपोर्ट एक अलग तरह से बात करती हुयी नजर आती है, जिनमें कुछ सवाल आज भी मौजू हैं। नियंत्रित मीडिया से मीडिया के चौतरफा विकास का समय भी आया जिसमें कुछ भी छिपाना और दबाना असंभव सा हो गया। कई बार यह भी लगता रहा कि विकास का सवाल सिर्फ सरकारी माध्यमों (मीडिया) के लिए ही महत्व का है, बाकी माध्यमों का अपना एजेंडा और राय अलग है। यहां यह भी देखना जरूरी है कि कम्युनिकेशन(संचार) सिर्फ सूचनाओं का हस्तांतरण नहीं है। बल्कि पक्षधरता के साथ, न्याय के लिए खड़ा होना भी है। जन को ताकतवर बनाना भी है। अवसर की समानता की अवधारणा को प्रचारित और स्थापित करना भी है।संचार व मीडिया अध्ययन

विकेन्द्रीकरण ने विकास के सामने कई नए प्रश्न खड़े किए हैं। जिनके भी ठोस और वाजिब हल हमें ढूंढने चाहिए। जैसे पंचायती राज में भारत ने एक लंबी छलांग लगाई है। सत्ता इसके चलते पंचायतों तक पहुंची, पर सवाल यह है कि क्या इससे लोकतंत्र मजबूत हुआ है? क्या संसदीय राजनीति और चुनावों की तमाम बुराईयां हमारी पंचायतों तक नहीं पहुंच गयी? वहीं हम मीडिया को देखें तो उसका भी विस्तार हुआ है। व्यापकता बढ़ी है, पहुंच भी बढ़ी है। पर सवाल यह है कि क्या मीडिया में संवेदनशीलता, ग्रहणशीलता और विविधता को आदर देने की उसकी भावना भी बढ़ी है, तो शायद उत्तर नकारात्मक ही हो। तीनों तंत्रों (कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका) से निराश लोग मीडिया की ओर बहुत उम्मीदों से देखते हैं। कई अर्थों में सत्ता का तो विकेन्द्रीकरण दिखता है, किंतु मीडिया धीरे-धीरे केन्द्रीकरण का शिकार हो रहा है। इसलिए जरूरी है क्रास मीडिया ओनरशिप के बारे में भी भारत जैसे देश सोचें। ताकि मीडिया के एकाधिकार के खतरों से बचा जा सके। इसके साथ ही प्रेस कौंसिल जैसी नख-दंत हीन संस्था के अधिकारों और क्षेत्राधिकार में बदलाव करते हुए उसे मीडिया कौंसिल में बदला जाना जरूरी है ताकि वह आज के प्रभावी मीडिया को भी अपनी चर्चा में ले सके।

हम जिस संकट से दो चार हैं, वह यह है कि सूचनाएं बढ़ गई हैं और खबरें घट गई हैं। अखबारों के पन्ने बढ़ गए हैं, किंतु इनसे आम-आदमी गायब है। चैनल अब चौबीस घंटे कुछ बोलते हैं, पर उनमें विकास और जनता के सवालों की जगह बहुत कम है। जबकि विकास की पत्रकारिता की मुक्ति इसमें है कि जो लोग मीडिया तक नहीं पहुंच सकते, मीडिया उन तक पहुंचे। उनका दर्द सुने। अच्छी और उम्मीद जगाने वाली खबरों की ओर जाएं।

हमारी राजनीति बदल रही है, हमारा समाज बदल रहा है किंतु हमारे मीडिया के सोचने और अभिव्यक्त करने की शैली उस तुलना में नहीं बदली जैसी बदलनी चाहिए। आज यह मान्यता बन चुकी है कि विकास भारतीय मीडिया की प्राथमिकता नहीं है, शायद समाज भी उसकी प्राथमिकता नहीं है। हमारे नागरबोध ने मीडिया को समाज से बड़ा बना दिया है। किंतु यह तय मानिए कि कोई भी मीडिया, कोई भी राजनीति और कोई भी व्यक्ति समाज से बड़ा नहीं हो सकता। 18 से 25 साल और 18 से 35 साल के युवाओं के बीच बाजार खोज रहे मीडिया की चिताएं अलग हो सकती हैं किंतु समाज की चिताएं कुछ भिन्न हैं। वे ही वास्तविक चिंताएं हैं। मीडिया अगर इन चिंताओं से अलग व्यवहार कर रहा है तो वह अपने अस्तित्व पर संकट स्वयं रच है। विश्वसनीयता और प्रामणिकता के संकट तो उसके साथ संयुक्त हैं ही। मीडिया के नेतृत्वकर्ताओं के लिए यह सोचने का सही समय है कि जब सारा देश विकास और सुशासन के सवालों पर गंभीर हो रहा है, उसमें अपने शासकों से जवाब मांगने की हिम्मत आ रही है, तो हमारा मुख्यधारा का मीडिया क्या कर रहा है? ऐसे तमाम सवाल मीडिया के नेतृत्वकर्ताओं के सामने आज उपस्थिति हैं, अगर इन सवालों के हल हमने आज नहीं तलाशे तो कल बहुत देर हो जाएगी।

अस्पताल में लिखी बदले की स्क्रिप्ट... फिर 46 वार करके पति-पत्नी को मार डाला, मुरादाबाद हत्याकांड के आरोपी का एनकाउंटर

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में अभिमान और मामूली विवाद की सनक ने एक पूरे परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया है। थाना सिविल लाइंस अंतर्गत चक्कर की मिलक इलाके में सोमवार रात हुई राजा और उसकी पत्नी फराह की हत्या ने पूरे जिले को दहला दिया है। इस दोहरे हत्याकांड की पटकथा जिला अस्पताल के बेड पर लिखी गई थी, जहां एक घायल पिता ने अपने बेटे को बेइज्जती का बदला लेने के लिए उकसाया था।

पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य साजिशकर्ता फहीम को पहले ही जेल भेज दिया है। वहीं, मंगलवार देर रात एक और नामजद आरोपी अनस को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। अगवानपुर इलाके में हुई इस घेराबंदी

के दौरान आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में उसके पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उसके कब्जे से अवैध हथियार भी बरामद किया है।

मृतक राजा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट रोंगटे खड़े कर देने वाली है। रिपोर्ट के अनुसार, हमलावरों ने राजा पर चाकुओं से कुल 40 वार किए थे। यह हमला इतना भीषण था कि उसकी गर्दन की नसें कट गई थीं और चाकू के गहरे घाव फेफड़ों व लीवर तक जा पहुंचे थे। अत्यधिक खून बहने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। राजा के हाथों पर मिले 16 घाव इस बात की गवाही दे रहे हैं कि उसने आखिरी सांस तक कातिलों से कड़ा मुकाबला किया था। वहीं, उसकी पत्नी फराह के शरीर पर भी छह गंभीर निशान मिले हैं, जिनमें गर्दन पर हुआ प्रहार जानलेवा साबित हुआ। महज एक कमरे के मकान में, अपने तीन मासूम बच्चों के सामने ही इस दंपत्ति को मौत के घाट उतार दिया गया, जिससे पूरे क्षेत्र में भारी आक्रोश है।

अस्पताल के बेड से रची गई साजिश

इस जघन्य अपराध की जड़ में महज 24 हजार रुपये का बकाया और सम्मान की झूठी लड़ाई थी। पुलिस तफ्तीश में सामने आया कि आरोपी फहीम ने राजा को एक प्लॉट बेचा था, जिसके कुछ पैसे बकाया थे। इसी बात को लेकर 19 अप्रैल को हुए विवाद में राजा ने फहीम के सिर पर ईंट मार दी थी। अस्पताल में भर्ती फहीम ने इसे अपना सार्वजनिक अपमान माना और जब उसका बेटा फरजंद व साथी आरिफ उससे मिलने पहुंचे, तो उसने उन्हें सबक सिखाने के लिए उकसाया। मामले में सपा के पूर्व नेता के भाई आरिफ को भी नामजद किया गया है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि बाकी बचे आरोपियों को भी जल्द ही सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा।

स्मार्ट मीटर को लेकर कांगेस का प्रदर्शन

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में जनता की सहमति के बिना बिजली उपभोक्ताओं के घरों में लगायें जा रहे प्रीपेड स्मार्ट मीटर के खिलाफ कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष डा0 प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में पीडब्ल्यूडी चैक से हाइडिल तक पैदल मार्च करते हुए बिजली विभाग के खिलाफ बुधवार को जोरदार तरीके से धरना प्रदर्शन किया। धरना को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष ने कहा कि योग आदित्यनाथ की भाजपा सरकार बिजली उपभोक्ताओं को जबरन स्मार्ट मीटर लगाकर लूट रही है,एक तरफ बिजली की बार बार कटौती से परेशान जनता प्रीपेड मीटरों से आ रही अधिक बिल से कराह रही है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने सरकार पर तानाशाही और जनता के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि बुलडोजर का भय दिखाकर प्रदेश सरकार मनमाने तरीके से काम कर रही है, प्रदेश में जनता की समस्याओं का निस्तारण करने की जगह नित नयी नयी समस्याओं को खड़ा कर रही है। प्रमोद कुमार सिंह ने मांग किया कि पुरी मीटर व्यवस्था लागू किया जाये। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि स्मार्ट मीटरों के द्वारा अब तक जबरन वसूली गयी बिजली का बिल वापस कर उपभोक्ताओं को राहत दिया जाए। अंत में महामहिम राज्यपाल के नाम संबोधित पांच सूत्रीय मांगपत्र आधिषाशी अभियंता को सौंपा। राजकुमारी मिश्रा, विजय प्रकाश वर्मा, जयप्रकाश मिश्रा, प्रवेश निषाद, जब्बार अली सलमानी, सभासद शहनवाज मंजूर,अरविंद यादव, असरफ अली, मुहम्मद ताहिर, नीशू केसरी, रोहित कुमार सोनकर, वीरेन्द्र कुमार, अली हैदर, आदि मौजूद रहे।

कमरे में घुसा बंदर, नवजात को एक घंटे तक कब्जे में रखा, सूझबूझ से बचाई मासूम की जान

आर्यावर्त संवाददाता

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर के चरथावल क्षेत्र में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई, जहां एक बंदर कमरे में घुसकर नवजात बच्ची को करीब एक घंटे तक अपने कब्जे में बैठा रहा। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर परिवार और आसपास के लोगों के होश उड़ गए। काफी मशक्कत के बाद मोबाइल दिखाकर बंदर को उलझाया गया और बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

घटना जय हिंद इंटर कॉलेज के पीछे की बताई जा रही है। यहां नवजात बच्ची कलसुम कमरे में सो रही थी, तभी अचानक एक बंदर कमरे में घुस गया और बच्ची के पास बैठ गया।

बच्ची के रोने की आवाज सुनकर उसकी दादी कमरे में पहुंची, लेकिन अंदर बंदर को देखकर वह घबरा गई और बाहर आ गई। इसके बाद शोर सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर जुट गए। लोगों ने बंदर को हटाने की काफी कोशिश की, लेकिन वह बच्ची के पास से हटने को तैयार नहीं था। कभी वह बच्ची को उठाने की कोशिश करता तो कभी उसे चुप कराने जैसा व्यवहार करता दिखा।

मोबाइल से उलझाकर छुड़ाई बच्ची

इस बीच पशु-पक्षी प्रेमी सन्नी चोपड़ा को सूचना दी गई। वह मौके पर पहुंचे और बंदर को हटाने की कोशिश की, लेकिन शुरुआती प्रयास विफल रहे। आखिरकार लोगों ने बंदर का ध्यान भटकाने के लिए उसे मोबाइल फोन दिखाया। मोबाइल देखकर बंदर उसमें उलझ गया और इसी दौरान बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

मजदूरी पर गए थे माता-पिता

बच्ची की मां गुलिस्ता और पिता तहसीन ईंट भट्ठे पर मजदूरी करने गए थे। उस समय बच्ची कमरे में सो रही थी, जबकि उसकी दादी घर के बाहर बैठी थी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। राहत की बात यह रही कि बच्ची पूरी तरह सुरक्षित है और उसे कोई चोट नहीं आई।

दिव्यांग बच्चों ने युद्ध रोकने को किया भावुक अपील

जौनपुर। नगर के रूहट्टा स्थित राजेश स्नेह ट्रस्ट आफ एजुकेशन दिव्यांग बच्चों के स्कूल एवं पुनर्वास केंद्र पर दिव्यांग बच्चों ने अमेरिका ,इजराइल व ईरान के बीच हो रहे युद्ध को रोकने की अपील की। जिससे आने वाले दिनों में वैश्विक आयात निर्यात सुगम रूप से चल सके। संस्था के प्रबंधक व समाजसेवी डॉ0 राजेश ने कहा कि इस युद्ध से सापेक्ष रूप से संलिप्त तीन देश ही नहीं दुष्प्रभावित हो रहे हैं बल्कि पूरा विश्व दुष्प्रभावित हो रहा है,एक तरफ जहां अन्य देशों में महंगाई बढ़ गई है पेट्रोल डीजल की आपूर्ति की कमी हो गई है लगातार बमबारी होने से बड़ी रिहायशी इमारतें धराशाई हो रही हैं स्कूल व अस्पताल गिर रहे हैं लाशे बिखरी पड़ी हैं डर भय के कारण प्रवासी लोग अपने वतन भाग रहे हैं बेरोजगारी की समस्या हो रही है । हिरोशिमा व नागासाकी जैसी भयावह स्थित न पैदा हो जाय इसलिए , दिव्यांग बच्चों ने वसुधैव कुटुंबकम की भावना से काम करने व युद्ध रोकने की भावुक अपील की।

नागालैंड के राज्यपाल नंदकिशोर यादव ने किए रामलला के दर्शन, बोले– भगवान राम हमारे पाहुन हैं, घर आया हूं

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। नागालैंड के राज्यपाल नंदकिशोर यादव बुधवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने हनुमानगढ़ी और राम जन्मभूमि में दर्शन-पूजन किया। रामलला के दर्शन के बाद उन्होंने मंदिर को आस्था, गौरव और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बताया। मीडिया से बातचीत में राज्यपाल ने कहा कि भगवान राम हमारे पाहुन हैं, इसलिए मैं अपने पाहुन के घर आया हूं। अयोध्या आना अपने प्रभु के घर आने जैसा दिव्य अनुभव है।

भगवान श्रीराम केवल धार्मिक आस्था के केंद्र नहीं, बल्कि आदर्श पुरुष हैं, जिनके जीवन से समाज को मर्यादा, कर्तव्य और त्याग की प्रेरणा मिलती है। करीब 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद भव्य राम मंदिर का निर्माण होना पूरे देश के लिए गर्व का विषय है।

यह केवल मंदिर नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का सम्मान है। राम स्वरूप में माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान का समावेश भारतीय संस्कृति, परिवार व्यवस्था और समर्पण की भावना को दर्शाता है। नई अयोध्या आध्यात्मिकता, संस्कृति और विकास का अद्भुत संगम बनकर उभर रही है। यहां आकर हर भारतीय गौरव और आत्मीयता का अनुभव करता है।

वैद्य की पीटकर हत्या, दो मित्रों को बांधकर पीटा

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। बक्शा थाना क्षेत्र में जमीन विवाद में वैद्य की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। उसके साथ आए अन्य मित्र फरार हो गए। लेकिन हमलावरों ने उनमें से दो दोस्तों को पकड़ लिया और पेड़ में बांधकर पिटाई कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस को देखकर आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस से सीएचसी नौपेड़वा भेजा, जहां से सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए उनके ठिकानों पर दबिश दे रही है। मृतक की पहचान 45 वर्षीय अशोक मिश्र उर्फ पुल्लूर पिता रमाकान्त मिश्रा के रूप में हुई है। मृतक अशोक अपने गांव से 8 किमी की दूरी पर स्थित नईगंज बाजार में आयुर्वेदिक दवा की दुकान चलाते हैं।अशोक का अपने चाचा कमलाकांत मिश्र और शिवाकांत पिता सत्यनारायण मिश्रा से लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। पहले में भी दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हुआ था। इसके वजह से अशोक अपने परिवार के साथ कलीचाबाद स्थित अपने मकान में रहने लगे थे। अशोक के चाचा कमलाकांत मिश्र ने बताया कि हमारे घर में 1 मई को मेरे बेटे का शादी है। ऐसे में घर पर रिश्तेदार इकट्ठा हुए हैं। अशोक रंजिश के चलते इस शादी में बाधा डालना चाहता था और उसने पहले भी कई बार धमकियां दी थीं। वह मंगलवार रात करीब साढ़े 10.30 बजे अपने साथियों के साथ गांव आया। मकान और जमीन बंटवारे को लेकर कहासुनी के बाद विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चलने लगे। हालात बिगड़ने पर अशोक के साथ आए कई लोग मौके से फरार हो गए। इस मारपीट में मेरा बेटा सुनील और भतीजा मृदुल समेत अन्य घायल हैं। मृतक के भाई मनोज मिश्रा उर्फ आनंद ने बताया कि इसके बाद अशोक को खंभे और उनके साथी अंकित मिश्रा को पेड़ में बांधकर बेरहमी से पीटा गया। यह देखकर मैंने डॉयल 112 को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को देखकर आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौपेड़वा भेजा, जहां से सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान देर रात अशोक मिश्र की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।ज्ञात हो कि इस मारपीट में दोनों पक्ष से कुल 10 लोग घायल हैं।

'तू मेरी नहीं तो किसी की भी...', शादी से इनकार पर गर्लफ्रेंड की हत्या, खुद को भी मारा चाकू

आर्यावर्त संवाददाता

बिजनौर। बिजनौर की कांशीराम कॉलोनी में मंगलवार शाम पांच बजे कशिश (18) की प्रेमी राहुल ने गर्दन में चाकू घोंपकर हत्या कर दी। कशिश ने शादी करने से इन्कार कर दिया था इसी वजह से राहुल ने ये वारदात की। राहुल ने खुद को भी चाकू कर लिया। पुलिस ने उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। दोनों के बीच तीन-चार वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। पुलिस ने बताया कि कांशीराम कॉलोनी में रहने वाले जाकिर बस चलाते हैं।

मंगलवार को बस लेकर दिल्ली गए जबकि उनकी पत्नी शाहीन रिश्तेदारी में अंबाला गई थीं। घर पर जाकिर की बेटी कशिश ही थी। ऐसे में राहुल वहां पहुंच गया। इस बीच लोगों ने कशिश के घर से चीख सुनी।

पड़ोसी अरमान ने बताया कि दोनों कमरे में बंद थे। दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंचे तो राहुल ने कशिश की गर्दन दबा रखी थी। कशिश के गले से खून बहता मिला। तभी पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। घायल हालत में कशिश और राहुल को अस्पताल लाया गया, जहां कशिश को मृत घोषित कर दिया।

हत्यारोपी राहुल ने बताया कि वह चार साल से अपने घर नहीं गया है। कशिश उसके साथ शादी की बात करती थी, अब इन्कार कर रही थी। एसपी अभिषेक झा ने बताया कि किसी बात से क्षुब्ध होकर युवक ने प्रेमिका की हत्या की है। खुद भी घायल मिला है।

एक साल पहले कशिश को हरिद्वार ले गया था राहुल

बिजनौर की कांशीराम कॉलोनी में कशिश की हत्या का आरोपी राहुल 11 अक्तूबर 2025 को अपने संग कशिश को हरिद्वार ले गया था। कशिश के घर से जाने के बाद उसकी मां ने केस दर्ज कराया था। पुलिस ने कशिश को बरामद कर लिया था और 19 अक्तूबर को आरोपी को पॉक्सो एक्ट में जेल भेज दिया गया था। आरोपी ने पुलिस को बताया कि जेल में भी कशिश उससे मुलाकात करने जाती थी और उसके पक्ष में ही बयान देने की बात कही थी।

बता दें कि उस वक्त कशिश की उम्र 18 साल से कम थी। 21 दिसंबर 2025 को राहुल जमानत पर छूटने के बाद जेल से बाहर आ गया था। इसके बाद भी दोनों के बीच मेलजोल जारी रहा। आरोपी ने खुद कबूला किया कि वह एक साल से अपने घर भी नहीं गया है। उधर, पड़ोसियों ने बताया कि कशिश की कहीं और शादी तय हो चुकी थी, दो महीने बाद ही उसकी शादी होनी थी, जिसे लेकर आरोपी राहुल उस पर शादी के लिए दबाव भी बना रहा था। वहीं, मेडिकल अस्पताल में कशिश के रिश्तदारों ने बताया कि आरोपी पहले भी कई बार धमकी दे चुका था।

आरोपी राहुल ने बताया कि बड़े भाई की मौत के बाद भाभी उसके साथ रहने लगी थी। उसके दो बच्चे भी हैं। मगर अब वह अपने घर नहीं जाता था। वह कशिश को अपने साथ रखना चाहता था। इन्कार पर उसने कशिश की चाकू मारकर हत्या कर दी। कशिश की एक रिश्तेदार ने बताया कि आरोपी राहुल ब्याज पर पैसा देने काम करता है। कशिश के परिवार ने भी राहुल से ब्याज पर पैसा ले रखे थे। इनके अलावा कांशीराम कॉलोनी में तमाम परिवार राहुल के कर्ज में दबे हुए थे। आरोपी राहुल आए दिन कर्ज की अदायगी के लिए भी कॉलोनी में लोगों पर दबाव बनाता और वसूली के लिए धमकी देता था।

चुनावी बिसात पर पुराने दिग्गजों संग नए मोहरे सजाएगी सपा, टिकट के लिए होड़; इन सीटों पर थी कांटे की टक्कर

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। राजनीति का गलियारा कहे जाने वाले मेरठ में चुनावी बिसात पर मोहरे सजाए जाने लगे हैं। सपा के भीतर इस बार सातों विधानसभा सीटों पर टिकट के दावेदारों की लंबी फेहरिस्त है। एक-एक सीट पर पुराने दिग्गजों से लेकर युवा चेहरे तक ताल ठोक रहे हैं। 2022 के नतीजों ने सपा की उम्मीदें बढ़ा दी हैं क्योंकि पार्टी ने गठबंधन के साथ न सिर्फ चार सीटें जीती थीं बल्कि दो सीटों पर भाजपा को कड़ी टक्कर भी दी थी।

शहर विधानसभा पर सपा के मौजूदा विधायक रफीक अंसारी का दावा इस बार भी मजबूत है। वह इस सीट से लगातार दो बार जीत चुके हैं। इस बार हैट्रिक लगाने की तैयारी में हैं। यहां से नोमान मुर्तजा भी टिकट के दावेदार हैं। नोमान के पिता आकिल मुर्तजा पार्टी के राष्ट्रीय सचिव हैं।

ऐसे में रफीक का टिकट काटकर उन्हें उम्मीदवार बनाया जाएगा, ऐसी उम्मीद न के बराबर है। इसी तरह मेरठ दक्षिण विधानसभा से हाजी आदिल चौधरी भाजपा के सोमेंद्र तोमर से बहुत ही मामूली अंतर से हार गए थे। इस बार भी आदिल का दावा मजबूत है लेकिन यहां से डॉ. किशन पाल गुर्जर, मुखिया गुर्जर, विधायक अतुल प्रधान की पत्नी सीमा प्रधान और शाहिद मंजूर के बेटे नवाजिश मंजूर के नाम भी दावेदारों में हैं। चर्चित सरधना सीट से सपा के अतुल प्रधान विधायक हैं। उन्होंने दो बार के पूर्व विधायक भाजपा के संगीत सोम को हराया था। उनका टिकट भी पक्का माना जा रहा है। हस्तिनापुर सीट से पूर्व विधायक योगेश वर्मा दावा ठोक रहे हैं। हालांकि उन्हें पिछली बार भाजपा के दिनेश खटीक से शिकस्त मिली थी।

इस बार हस्तिनापुर से पूर्व मंत्री प्रभुदयाल वाल्मीकि और प्रशांत गौतम तगड़ी ताल ठोक रहे हैं। इस सीट पर सपा में टिकट को लेकर खींचतान होगी, इतना तय है। किठौर विधानसभा से मौजूदा विधायक और पूर्व मंत्री शाहिद मंजूर का दावा मजबूत है। हालांकि यहां से बाबर चौहान भी टिकट के लिए जोर आजमाइश करेंगे।

कैंट और सिवालखास आखिर तक रहेगा असमंजस

कैंट सीट पिछली बार सपा-रालोद गठबंधन होने के कारण रालोद के खाते में थी। यह भाजपा की सबसे मजबूत सीट मानी जाती है। वैसे राजनीति में कुछ भी नामुमकिन नहीं होता लेकिन इस सीट के लिए कहा जाता है कि यहां भाजपा को हराना नामुमकिन है। इस सीट से कौन लड़ेगा, इसे लेकर भी कड़ा मंथन होगा। सपाइयों में चर्चा है कि कांग्रेस से सपा का गठबंधन होगा और यह सीट कांग्रेस के खाते में जाएगी। सिवालखास सीट भी पिछली बार सपा-रालोद गठबंधन में रालोद के खाते में गई थी। हालांकि इस पर चुनाव रालोद से सपा के ही पूर्व विधायक गुलाम मोहम्मद लड़े थे। अब वह रालोद हो गए हैं इसलिए सपा किसको लड़ाएगी यह देखना दिलचस्प होगा। इस सीट पर नदीम चौहान, गौरव चौधरी, सम्राट मलिक और वसीम राजा दावा ठोक रहे हैं।

हस्तिनापुर और मेरठ दक्षिण की टीस

हस्तिनापुर की सीट के बारे में मिथक है कि जो यहां जीतता है, प्रदेश में उसी की सरकार बनती है। 2022 में योगेश वर्मा मात्र 7,312 वोटों से चूके थे। मेरठ दक्षिण में भी सोमेंद्र तोमर ने सपा के आदिल चौधरी को कड़ी टक्कर के बाद मात दी थी। इन दोनों सीटों पर सपा को लगता है कि थोड़ा और जोर लगाया गया होता तो परिणाम कुछ और होते। यही वजह है कि यहां से टिकट के लिए खींचतान रह सकती है।

मेरठ जिले की सातों सीटों का रिपोर्ट कार्ड

क्र.सं.	विधानसभा क्षेत्र	विजेता प्रत्याशी	पार्टी	मिले वोट	उपविजेता	हार-जीत का अंतर
1	मेरठ शहर	रफीक अंसारी	सपा	1,41,200	कमल दत्त शर्मा (भाजपा)	26,065
2	किठौर	शाहिद मंजूर सपा	1,07,104	सत्यवीर त्यागी (भाजपा)	2,180	
3	सरधना	अतुल प्रधान सपा	1,18,572	संगीत सोम (भाजपा)	18,160	
4	सिवालखास	गुलाम मोहम्मद	सपा-रालोद गठबंधन	1,01,749	मनिंदर पाल (भाजपा)	9,182
5	मेरठ दक्षिण	सोमेंद्र तोमर भाजपा	1,21,114	मो. आदिल (सपा)	8,222	
6	हस्तिनापुर	दिनेश खटीक भाजपा	1,07,582	योगेश वर्मा (सपा)	7,312	
7	मेरठ कैंट	अमित अग्रवाल	भाजपा	1,62,433	मनीषा अहलावत(सपा-रालोद गठबंधन)	1,18,072

पुराने बनाम नए

क्या पार्टी पुराने चेहरों (शाहिद मंजूर, रफीक अंसारी, अतुल प्रधान) पर ही भरोसा जताएगी या नए और आक्रामक चेहरों को तरजीह देगी।

पीडीए फार्मूला

अखिलेश यादव का पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक फार्मूला मेरठ में कितना सटीक बैठता है, विशेषकर मेरठ कैंट जैसी सीट पर जहां भाजपा का वोट बैंक बेहद मजबूत है, वहां सपा किसे चुनावी मैदान में उतारती है।

भितरघात का डर

टिकट की दौड़ में शामिल कई दावेदार पार्टी के पुराने वफादार हैं। टिकट न मिलने की स्थिति में उन्हें असंतोष से बचाना और एकजुट रखना पार्टी के लिए बड़ी परीक्षा होगी।

किचन के ये 5 ठंडी तासीर वाले मसाले रखेंगे शरीर ठंडा

किचन में रखें कुछ मसाले ऐसे हैं, जो हमारे शरीर को ठंडा रखने के लिए फायदेमंद है। अगर आप भी लू और गर्मी से खुद को बचाना चाहते हैं तो इनका सेवन कर सकते हैं। चलिए इस आर्टिकल में बताते हैं ऐसे ही 5 ठंडी तासीर वाले मसालों के बारे में।

गर्मियों का मौसम आते ही लोग अपनी डाइट में बदलाव करने लगते हैं। इस उमसभर मौसम में शरीर को ठंडा रखना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में लोग ऐसी चीजों की तलाश में रहते हैं जो शरीर को ठंडा रखें और कई फायदे दें। भारतीय रसोई में कई ऐसे मसाले होते हैं, जिनकी तासीर ठंडी होती है और जो न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाते हैं, बल्कि शरीर के तापमान को भी बैलेंस बनाए रखते हैं। सौंफ, धनिया, जीरा जैसे मसाले सिर्फ खाने में खुशबू और फ्लेवर ही नहीं जोड़ते, बल्कि ये पाचन को बेहतर बनाने, शरीर को हाइड्रेट रखने और गर्मी के असर को कम करने में भी अहम भूमिका निभाते हैं।

इन मसालों का सही तरीके से सेवन करने से आप बिना किसी अतिरिक्त खर्च के अपने शरीर को अंदर से ठंडक दे सकते हैं। चलिए इस आर्टिकल में हम एक्सपर्ट से जानते हैं 5 ऐसे ही मसालों के बारे में जिन्हें आपको गर्मियों में अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए।

ड्राई पुदीना पाउडर

न्यूट्रिशनिस्ट किरण कुरकरेजा बताती हैं कि ड्राई पुदीना पाउडर गर्मियों में शरीर को ठंडक देने के लिए बेहद असरदार माना जाता है। इसमें मेंथॉल, एंटीऑक्सीडेंट्स, आयरन और विटामिन A पाए जाते हैं, जो पाचन को सुधारते हैं और शरीर की गर्मी को कम करते हैं। इसके सेवन से पेट की जलन, गैस और उल्टी जैसी समस्याओं में भी राहत मिलती है। आप इसे छाछ, नींबू पानी या दही में मिलाकर ले सकते हैं, या फिर सलाद और रायता में डालकर इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

सूखी धनिया (धनिया के बीज)

धनिया के बीज भी गर्मियों में अपनी डाइट में जरूर शामिल करने चाहिए। इनकी तासीर भी ठंडी होती है, जो शरीर को ठंडा रखने में मददगार है। इसमें विटामिन C, फाइबर, आयरन और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो पाचन को बेहतर बनाते हैं और डिहाइड्रेशन से बचाते हैं। गर्मियों में आप धनिया के बीज को रातभर पानी में भिगोकर सुबह उसका पानी पी सकते हैं या इसका काढ़ा बनाकर सेवन कर सकते हैं।

जीरा

छोटा सा दिखने वाला जीरा भी कमाल के फायदे देता है। ये न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाता है। बल्कि शरीर के तापमान को बैलेंस करने का भी काम करता है। इसमें आयरन, मैग्नीशियम, कैल्शियम और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो पाचन तंत्र को मजबूत करते हैं। जीरे का पानी (उबालकर ठंडा किया हुआ) गर्मियों में पीना बहुत फायदेमंद होता है। इसे छाछ या दही में मिलाकर भी लिया जा सकता है।

सौंफ

सौंफ को ठंडी तासीर के लिए सबसे ज्यादा जाना जाता है। इसमें फाइबर, कैल्शियम, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर को ठंडा रखने के साथ-साथ पाचन को भी बेहतर बनाते हैं। गर्मियों में सौंफ का पानी पीना या इसे चबाकर खाना बहुत फायदेमंद होता है। आप सौंफ को शरबत या हर्बल ड्रिंक में मिलाकर भी ले सकते हैं।

इलायची

इलायची की तासीर भी ठंडी होती है और यह शरीर को फ्रेश और ठंडा महसूस कराती है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स, पोटैशियम और मैग्नीशियम होते हैं, जो शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करते हैं। गर्मियों में इलायची को पानी या दूध में उबालकर पी सकते हैं, या फिर शरबत और चाय में मिलाकर इसका सेवन कर सकते हैं। इससे मुंह की बदबू भी दूर होती है और शरीर तरोताजा रहता है।

कॉटन के कपड़े का रंग छूटेगा रंग, इस तरीके से करें वॉश, नोट कर लें ट्रिक

गर्मियों के मौसम में कॉटन के कपड़े पहनना हर किसी की पहली पसंद होता है। क्योंकि ये हल्के, आरामदायक और त्वचा के लिए बेहद सुरक्षित होते हैं। लेकिन जितना आसान इन्हें पहनना है, उतना ही मुश्किल इनकी सही देखभाल करना भी हो सकता है। खासकर जब बात रंगीन कॉटन कपड़ों की आती है, तो अक्सर लोगों की शिकायत रहती है कि कुछ ही वॉश के बाद उनका रंग फीका पड़ने लगता है या फिर धुलते समय रंग निकलकर दूसरे कपड़ों पर लग जाता है। ऐसे में महंगे और पसंदीदा कपड़े जल्दी खराब हो जाते हैं।

कई बार हम बिना सोचे-समझे कपड़ों को वॉशिंग मशीन में डाल देते हैं या गलत डिटर्जेंट का इस्तेमाल कर लेते हैं, जिसकी वजह से कपड़ों का रंग जल्दी उड़ने लगता है। वहीं कुछ कपड़े ऐसे होते हैं जिनका रंग शुरू के कुछ वॉश में ज्यादा निकलता है, जिससे पूरे कपड़ों का लुक खराब हो जाता है। अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए है। यहां हम आपको कॉटन के कपड़े धोने का एक आसान तरीका बता रहे हैं।

नमक के पानी में पहली बार भिगोना अगर आप पहली बार अपने कॉटन के कपड़े को धोने जा रहे हैं तो उसे सीधे पानी में नहीं डालना चाहिए। इसके लिए आप पानी में थोड़ा सा नमक डालें और उसके बाद उस पानी में कपड़े को 20 से 30 मिनट के लिए भिगो कर रखें। ये ट्रिक अपनाने से कॉटन के कपड़े का रंग पक्का हो जाता है, जिससे वॉश करने के बाद रंग नहीं निकलता है। नमक के पानी में धोने के बाद आप इसे नॉर्मल पानी में धोकर सुखा सकते हैं।

ठंडे पानी और माइल्ड डिटर्जेंट का इस्तेमाल वैसे तो आमतौर पर लोग कपड़ों को नॉर्मल पानी में ही धोते हैं। लेकिन कॉटन के कपड़े को आपको ठंडे पानी में वॉश करना चाहिए। वहीं इन्हें वॉश करने के लिए हार्श केमिकल वाले डिटर्जेंट के बजाए माइल्ड लिक्विड डिटर्जेंट में धोएं। सबसे जरूरी बात कॉटन के कपड़े को धोते समय इन्हें उल्टा रखा। इससे कपड़े की चमक नहीं जाती है, रंग फीका नहीं पड़ता है साथ ही फैब्रिक की क्वालिटी भी बनी रहती है।

धूप में सुखाने का सही तरीका कॉटन के कपड़ों को सुखाने के लिए भी आपको सही तरीका मालूम होना चाहिए। दरअसल, कॉटन का फैब्रिक काफी हल्का होता है। ऐसे में तेज धूप में ये गल सकता है। इसलिए आपको हमेशा कॉटन कपड़े को उलटा करते हल्की धूप में ही सुखाना चाहिए। इससे सूरज की तेज किरणें सीधे कपड़े पर नहीं पड़तीं और उनका रंग लंबे समय तक फ्रेश बना रहता है।

जिम में मेडिसिन बॉल स्लैम एक्सरसाइज को बनाएं रूटीन का हिस्सा, मिलेंगे ये फायदे

मेडिसिन बॉल स्लैम एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो पूरे शरीर को प्रभावित करती है। यह न केवल मांसपेशियों को मजबूत बनाती है, बल्कि सहनशक्ति को भी बढ़ाती है। इस एक्सरसाइज को करने के लिए एक मेडिसिन बॉल की जरूरत होती है, जिसे ऊपर से नीचे की ओर फेंका जाता है। आइए आज हम आपको इस एक्सरसाइज से मिलने वाले कुछ प्रमुख लाभों के बारे में बताते हैं, जो आपको जल्द ही दिखने लगेंगे।

दिल और मांसपेशियां होती हैं मजबूत

मेडिसिन बॉल स्लैम एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो दिल की धड़कन को बढ़ाती है और साथ ही मांसपेशियों को भी मजबूत बनाती है। जब आप इस एक्सरसाइज को करते हैं तो आपका शरीर एक साथ कई मांसपेशी समूहों पर काम करता है। इससे आपका दिल और मांसपेशियां, दोनों ही मजबूत होने लगती हैं। इसके अलावा इससे कैलोरी जलाने में भी मदद मिलती है, जिससे वजन नियंत्रित करना और घटाना आसान हो जाता है।

होती है पूरे शरीर की कसरत

मेडिसिन बॉल स्लैम करते समय आपके शरीर के कई हिस्से एक साथ काम करते हैं, जिससे पूरे शरीर की कसरत हो जाती है। जब आप इस एक्सरसाइज को करते हैं तो आपके हाथ, कंधे, पीठ, पेट और पैरों की मांसपेशियां एक साथ सक्रीय होती हैं। इससे न केवल सहनशक्ति बढ़ती है, बल्कि शरीर की ताकत भी बढ़ती है। यह एक्सरसाइज आपको एक संतुलित और मजबूत शरीर प्रदान करती है, जिससे आप फिट और स्वस्थ महसूस कर सकते हैं।

तनाव से मिलता है छुटकारा

मेडिसिन बॉल स्लैम एक्सरसाइज मानसिक तनाव को कम करने में मदद करती है। जब आप इस एक्सरसाइज को करते हैं तो आपका ध्यान पूरी तरह से इस पर केंद्रित होता है। इससे अन्य चिंताओं से ध्यान हट जाता है और मानसिक स्वास्थ्य दुरुस्त रहता है। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है और मानसिक स्थिति बेहतर होती है। नियमित रूप से इस एक्सरसाइज को करने से आप अधिक शांत और संतुलित महसूस कर सकते हैं।

संतुलन और तालमेल में होता है सुधार

मेडिसिन बॉल स्लैम करते समय संतुलन बनाए रखना जरूरी होता है, जिससे आपके शरीर की तालमेल क्षमता बढ़ती है। इस एक्सरसाइज को करते समय आपको सही तरीके से वजन उठाना और फेंकना पड़ता है, जिससे आपकी मांसपेशियां बेहतर तरीके से काम करती हैं। इससे न केवल आपका शारीरिक संतुलन बढ़ता है, बल्कि मानसिक तालमेल भी बेहतर होता है। नियमित रूप से इसको करने से आप अधिक संतुलित महसूस करेंगे और सक्रीय रहेंगे।

वजन नियंत्रित करने में मददगार

अगर आप वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं तो मेडिसिन बॉल स्लैम आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है। इस एक्सरसाइज को करने से कैलोरी जलती हैं, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है। इसके अलावा यह एक्सरसाइज शरीर के चयापचय को तेज करती है, जिससे शरीर ज्यादा कैलोरी जला पाता है। इस प्रकार मेडिसिन बॉल स्लैम कई लाभ प्रदान करती है, जो आपको फिट रखने के साथ-साथ शक्तिशाली भी बना सकते हैं।

ये रहा गर्मी का डाइट चार्ट : गर्मी में भूलकर ना खाएं 5 चीजें, वरना पक्का लगेगा हॉस्पिटल का चक्कर

अगर आप गर्मी में परेशान नहीं होना चाहते तो गर्मी में खाने का खास ध्यान रखें। यहां हम आपको बताएंगे कि तेज गर्मी में क्या खाने से बचना चाहिए।

गर्मी का मौसम अपने साथ कई तरह की स्वास्थ्य चुनौतियां लेकर आता है। तेज धूप, पसीना और उमस के कारण शरीर जल्दी थक जाता है और डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में सिर्फ पानी पीना ही काफी नहीं होता, बल्कि खानपान पर भी खास ध्यान देना जरूरी होता है। गलत या भारी भोजन गर्मियों में शरीर पर अतिरिक्त दबाव डाल सकता है, जिससे पेट की समस्याएं, एसिडिटी, गैस और कमजोरी जैसी दिक्कतें बढ़ सकती हैं।

इसलिए इस मौसम में यह समझना बेहद जरूरी है कि कौन-से खाद्य पदार्थ शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं और किन चीजों से दूरी बनानी चाहिए। सही डाइट अपनाकर न केवल आप खुद को फिट रख सकते हैं, बल्कि गर्मी के असर से भी बच सकते हैं।

1- तला-भुना और भारी खाना

तेल और मसाले में बना खाना पचने में ज्यादा समय लेता है, जिससे पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है।

गर्मी में शरीर पहले ही थका हुआ रहता है, ऐसे में भारी भोजन लेने से सुस्ती, गैस और अम्लता की समस्या बढ़ सकती है।

यह शरीर के तापमान को भी बढ़ाता है, जिससे असहजता महसूस होती है।

2- अधिक मसालेदार भोजन

तेज मिर्च और मसाले शरीर में गर्मी पैदा करते हैं, जिससे पसीना ज्यादा आता है और पेट में जलन हो सकती है।

इससे अपच, एसिडिटी और पेट दर्द जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

गर्मियों में हल्का और कम मसाले वाला खाना ज्यादा फायदेमंद रहता है।

3- बाहर का जंक फूड

गर्मी में बाहर का खाना जल्दी खराब हो सकता है और उसमें बैक्टीरिया पनपने का खतरा ज्यादा होता है।

अस्वच्छ जगहों पर बना खाना खाने से फूड पॉइजनिंग, उल्टी, दस्त और पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

इसलिए घर का ताजा और साफ खाना ही बेहतर विकल्प है।

4- बहुत ठंडे पेय या आइस ड्रिंक

गर्मी से राहत पाने के लिए लोग अक्सर बहुत ठंडे पेय पी लेते हैं, लेकिन यह आदत नुकसानदायक हो सकती है।

अचानक ठंडा पेय पीने से गले में खराश, सर्दी और पाचन तंत्र पर असर पड़ सकता है।

इससे शरीर का तापमान संतुलन भी बिगड़ सकता है।

5- कैफीन

चाय, कॉफी ड्रिंक में मौजूद कैफीन शरीर से पानी की मात्रा कम कर सकता है।

इससे डिहाइड्रेशन, थकान और सिरदर्द की समस्या बढ़ सकती है।

गर्मियों में कैफीन का सेवन कम करना और ज्यादा पानी या प्राकृतिक पेय लेना ज्यादा फायदेमंद होता है।

ऑनलाइन शॉपिंग में ठगी से बचना है तो क्या करें

अगर आप भी ऑनलाइन शॉपिंग के शौकीन हैं, तो जान लें कि आप ठगी का शिकार हो सकते हैं। इसलिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होता है।

नहीं

आजकल लोग ऑनलाइन खरीदारी के काफी शौकीन होते हैं और खासतौर पर युवा लोग। लोग मार्केट न जाकर सीधे मोबाइल से किसी एप द्वारा अपने लिए कुछ न कुछ मंगवा लेते हैं।

माना ये तरीका बेहद आसान है और इसमें आपको रिटर्न का भी अच्छा ऑप्शन मिल जाता है, लेकिन आपको ऑनलाइन शॉपिंग के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। वरना आप एक छोटी सी गलती के कारण ठगी का शिकार हो सकते हैं। चलिए जानते हैं ऑनलाइन शॉपिंग के दौरान ठगी से बचने के लिए किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है...

ऑनलाइन शॉपिंग करते समय कैसे बचें ठगी से?

भरोसेमंद एप पर करें भरोसा

ऑनलाइन शॉपिंग हमेशा भरोसेमंद और आधिकारिक एप से ही करें

किसी एपीके एप, सोशल मीडिया पर दिखने वाले ऑफर्स आदि के जरिए शॉपिंग करने से बचें

किसी भी अनजाने लिंक के जरिए शॉपिंग करने से बचें

कैश ऑन डिलीवरी चुनें

अगर आप कोई प्रोडक्ट खरीद रहे हैं तो आपको कैश ऑन डिलीवरी ऑप्शन चुनना चाहिए

पेमेंट मोड में ये सबसे सुरक्षित तरीका होता है

पहले आप प्रोडक्ट चेक कर लें, अगर सामान सही है तो आप कैश पेमेंट या यूपीआई से डिलीवरी बॉय को पेमेंट कर सकते हैं

ऑफर्स के चक्कर में कहीं से भी शॉपिंग

हर कोई चाहता है कि उसे अच्छे ऑफर्स मिल जाए या कैशबैक मिल जाए

ऐसे में कई बार ईमेल, मैसेज पर आने वाले ऑफर्स पर लोग भरोसा कर लेते हैं

पर ये फेक होते हैं जो आपकी जानकारी चुराकर आपको ठग सकते हैं, इसलिए इनसे बचकर रहें

सुरक्षित पेमेंट सबसे जरूरी

अगर आप ऑनलाइन मोड से पेमेंट कर रहे हैं जैसे- यूपीआई, नेट बैंकिंग, डेबिट/क्रेडिट आदि

ऐसे में आपको अपनी बैंकिंग जानकारी को किसी भी एप या वेबसाइट पर सेव नहीं करना है

ऐसा करने से आपकी जानकारी शेयर हो सकती है और आपके साथ ठगी हो सकती है

अनिल अंबानी की कंपनी आरकॉम पर सीबीआई का बड़ा एक्शन, 19 हजार करोड़ के फर्जीवाड़े में 2 बड़े अधिकारी गिरफ्तार

केंद्रीय जांच ब्यूरो (ष्टक्चढ्ढ) ने उद्योगपति अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (क्रष्टशद्व) के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (स्क्चढ्ढ) की शिकायत पर दर्ज किए गए धोखाधड़ी के एक मामले में सीबीआई ने कंपनी के दो वरिष्ठ अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए अधिकारियों की पहचान डी. विश्वनाथ और अनिल काल्या के रूप में हुई है। एसबीआई का आरोप है कि कंपनी ने क्रेडिट सुविधाओं के नाम पर लिए गए फंड का गलत इस्तेमाल किया, जिससे अकेले एसबीआई को 2929.05 करोड़ रुपये का भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

एसबीआई द्वारा दी गई शिकायत के मुताबिक, इस बड़े फर्जीवाड़े के कारण कुल 17 बैंकों के कंसोर्टियम को लगभग 19,694.33 करोड़ रुपये की भारी चपत लगी है। जांच एजेंसी की अब तक की तफ्तीश में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस के कई अधिकारियों ने मिलकर अलग-अलग शेल (फर्जी) कंपनियां बना रखी थीं। बैंकों से जो भी भारी-भरकम रकम लोन के रूप में ली गई, उसे सर्विस से जुड़े फर्जी लेनदेन का नाम देकर बड़ी ही चालाकी से इन शेल कंपनियों के खातों में ट्रांसफर कर दिया गया। इसी तरह से बैंकों से लिए गए फंड को डायवर्ट करके इस बड़े वित्तीय घोटाले को अंजाम दिया गया।

कॉरपोरेट फाइनेंस का जिम्मा संभालते थे गिरफ्तार अधिकारी

सीबीआई जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार किए गए डी. विश्वनाथ रिलायंस कम्युनिकेशंस में बैंकिंग ऑपरेशंस के जॉइंट प्रेसिडेंट के पद पर तैनात थे। एजेंसी का आरोप है कि उनके ही सीधे निर्देशों पर बैंकों से लिए गए पैसों का बेजा इस्तेमाल किया गया। वे लगातार बैंकों के संपर्क में थे और उन्हीं के जरिए कंपनी के खातों में लोन की रकम डिस्बर्स कराई गई थी। इस पूरे गोरखधंधे में अनिल काल्या ने भी उनका पूरा साथ दिया। ये दोनों अधिकारी मिलकर ही कंपनी के कॉरपोरेट फाइनेंस, पेमेंट्स और बैंकिंग ऑपरेशंस का पूरा काम संभालते थे। फिलहाल सीबीआई इन दोनों को अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड मांगने की तैयारी कर रही है।

पहले भी दर्ज हो चुके हैं कई मामले, अंबानी से भी हुई पूछताछ

यह रिलायंस कम्युनिकेशंस के खिलाफ कोई पहला मामला नहीं है। पिछले कुछ ही महीनों के भीतर सीबीआई ने सरकारी बैंकों और भारतीय जीवन बीमा निगम (रुढ्ढष्ट) की शिकायतों के आधार पर अनिल अंबानी की इस कंपनी के खिलाफ 7 अलग-अलग केस दर्ज किए हैं। इन सभी मामलों में कंपनी पर बिजनेस के संचालन के लिए हजारों करोड़ रुपये का कर्ज लेकर उसे शेल कंपनियों में डायवर्ट करने का गंभीर आरोप है। इस बड़े वित्तीय घोटाले की जांच के सिलसिले में सीबीआई खुद अनिल अंबानी को भी तलब कर उनसे व्यक्तिगत रूप से पूछताछ कर चुकी है।

बिजनेस शुरू करने का सुनहरा मौका, बिना किसी गारंटी के सरकार दे रही 20 लाख तक का मुद्रा लोन

अगर आप अपना खुद का छोटा कारोबार शुरू करने या पुराने बिजनेस को रफ्तार देने का सपना देख रहे हैं, तो केंद्र सरकार आपके लिए एक बड़ी खुशखबरी लेकर आई है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत अब छोटे व्यापारियों, स्टार्टअप्स और स्वरोजगार करने वालों को बिना किसी गारंटी के 20 लाख रुपये तक का लोन मिल सकता है। इस शानदार योजना का मुख्य उद्देश्य देश में उद्यमिता को बढ़ावा देना और पूंजी की कमी से जूझ रहे लोगों को आसान शर्तों पर फाइनेंस उपलब्ध कराना है। मुद्रा लोन योजना मुख्य रूप से गैर-कॉर्पोरेट और छोटे व्यवसायों की आर्थिक मदद के लिए तैयार की गई है। इसके तहत देश के विभिन्न बैंक, माइक्रोफाइनेंस संस्थान और एनबीएफसी (हृक्चस्नष्ट) आसानी से कर्ज मुहैया कराते हैं। इस योजना को शिशु, किशोर और तरुण नाम की तीन अलग-अलग श्रेणियों में बांटा गया है। समय के साथ कारोबारियों की बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अब सरकार ने लोन की अधिकतम सीमा बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दी है, ताकि बड़े पैमाने पर लोगों को इसका सीधा फायदा मिल सके और वे अपने व्यवसाय को नया मुकाम दे सकें। इस सरकारी योजना की सबसे बड़ी और अहम खासियत यह है कि इसमें आवेदक को बैंक के पास कोई संपत्ति गिरवी (कोलैटरल) रखने या गारंटी देने की आवश्यकता नहीं होती है। सरकार खुद क्रेडिट गारंटी सपोर्ट देती है, जिसके चलते बैंक आसानी से लोन पास कर देते हैं। इस लोन के लिए आवेदन करते समय कुछ बुनियादी दस्तावेजों की जरूरत होती है। इनमें आपकी पहचान का प्रमाण (आधार कार्ड, पैन कार्ड या वोटर आईडी), पते का पुख्ता प्रमाण (बिजली बिल या राशन कार्ड), आपके बिजनेस का पूरा प्लान, पिछले 6 से 12 महीने का बैंक स्टेटमेंट और पासपोर्ट साइज फोटो शामिल हैं। हालांकि, बैंक लोन मंजूर करने से पहले आवेदक का प्रोफाइल और उसकी पुरानी क्रेडिट हिस्ट्री (सिबिल स्कोर) जरूर परखते हैं।

ईरान–यूएस युद्ध विराम में भूमिका पर सवाल, पूर्व अमेरिकी एनएसए को नीयत पर शक

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी उथल-पुथल के बीच पाकिस्तान एक बार फिर वैश्विक मंच पर कठघरे में खड़ा नजर आ रहा है। चाहे शांति वार्ता के संदर्भ में पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ के वो ड्राफ्ट संदेश हों या फिर इस्लामाबाद में हुई अमेरिका और ईरान के बीच नाकाम शांति वार्ता। कई मंचों पर पाकिस्तान को अपने रवैये के चलते किरकिरी का सामना करना पड़ा है, जिसके चलते इस्लामाबाद की कूटनीति लगातार सवालों के घेरे में भी रही है। ऐसे में एक बार फिर पाकिस्तानी की नापाक मंशा को लेकर सवाल तब खड़े हो गए जब अमेरिका के पूर्व एनएसए एचआर मैकमास्टर ने शांति वार्ता में पाकिस्तान की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े किए।

इतना ही नहीं सवाल केवल पाकिस्तान की भूमिका तक नही रही मैकमास्टर ने पाकिस्तान को चीन के हाथों का कठपुतली तक बता दिया। उन्होंने पाकिस्तान की भूमिका को चीन के प्रभाव में बंधा कठपुतली देश करार देते हुए उसकी नीयत पर गंभीर संदेह जताया। ईरान से जुड़ी मध्यस्थता में पाकिस्तान की सक्रियता को भी उन्होंने संदिग्ध बताया है। कुल मिलाकर मैकमास्टर ने कहा कि पाकिस्तान, चीन के प्रभाव में काम करने वाला एक कठपुतली देश जैसा है और ईरान से जुड़े कूटनीतिक मामलों में उसकी नीयत पूरी तरह साफ नहीं लगती। बता दें कि पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने यह बात IANS न्यूज एजेंसी को दिए एक विशेष इंटरव्यू में कही। इस दौरान उनसे जब पूछा गया कि ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता में पाकिस्तान की भूमिका कैसी है, तो उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के करीबी देश के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने यह भी दावा किया कि चीन, ईरान की मौजूदा सरकार को बनाए रखने में दिलचस्पी रखता है, क्योंकि वह ईरान से बड़े पैमाने पर तेल खरीदता है। उनके अनुसार, इसी वजह से चीन ईरान को आर्थिक रूप से मजबूत बनाए रखता है। इतना ही नहीं मैकमास्टर ने आगे पाकिस्तान की निष्पक्षता पर भी कड़े सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की मध्यस्थता की पेशकश पूरी तरह निष्पक्ष नहीं मानी जा सकती और इसके पीछे पाकिस्तान के कुछ छिपे हुए नापाक इरादे भी हो सकते हैं। इस दौरान मैकमास्टर ने पाकिस्तान की सेना पर भी तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि उनका अनुभव पाकिस्तान की सेना के साथ निराशाजनक रहा है। उनके अनुसार, पाकिस्तान एक तरफ आतंकवाद विरोधी सहयोग की बात करता है, लेकिन दूसरी तरफ वह कुछ ऐसे समूहों को भी समर्थन देता है जो अमेरिका के खिलाफ काम करते हैं। मैकमास्टर ने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान 1940 के दशक के अंत से ही आतंकवादी संगठनों का इस्तेमाल अपनी विदेश नीति के एक हिस्से के रूप में करता रहा है।

'ईरानी सेना की ताकत अब भी मजबूत', पेंटागन रिपोर्ट में खुलासा, ट्रंप-हेगसेथ के दावों पर उठे सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) की खुफिया शाखा की एक नई रिपोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान की सैन्य क्षमता अभी भी मुख्य रूप से मजबूत बनी हुई है, जिससे अमेरिकी नेतृत्व के हालिया बयानों पर सवाल खड़े हो गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पहले दावा किया था कि हालिया संघर्षों के बाद ईरान की सेना को भारी नुकसान हुआ है और उसकी ताकत काफी कमजोर हो चुकी है। लेकिन पेंटागन की खुफिया रिपोर्ट इन दावों से पूरी तरह असहमत नजर आ रही है।

ट्रंप ने बढ़ाया युद्ध विराम, पाकिस्तान की अपील का दिया हवाला

इस आंतरिक खुफिया आकलन के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध विराम को और बढ़ाने की घोषणा की है। उन्होंने इस निर्णय का कारण पाकिस्तानी नेतृत्व द्वारा एक नियोजित सैन्य हमले में देरी के लिए की गई सीधी अपील को बताया। यह घोषणा पिछले समय-सीमा समाप्त होने से कुछ घंटे पहले सार्वजनिक की गई।

ईरान का तीखा जवाब

हालांकि, इस घोषणा का तेहरान से तत्काल विरोध हुआ। ईरान के संसद अध्यक्ष के एक सलाहकार, महदी मोहाम्मदी ने अमेरिकी कदम को खारिज करते हुए कहा कि हारने वाला पक्ष शर्तें तय नहीं कर सकता। उन्होंने तर्क दिया कि यह विस्तार ईरानी सरकार के लिए कुछ भी मायने नहीं रखता और अमेरिकी सेना के खिलाफ सैन्य वृद्धि का आह्वान किया। एक्स पर एक पोस्ट में, मोहाम्मदी ने कहा कि ट्रंप द्वारा युद्ध विराम का विस्तार कुछ भी मायने नहीं रखता क्योंकि हारने वाला पक्ष शर्तें तय नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि घेराबंदी जारी रखना बमबारी से अलग नहीं है और इसका जवाब सैन्य रूप से दिया जाना चाहिए।

कूटनीति असफल, तनाव बरकरार

बीते दिनों दोनों देशों के बीच इस्लामाबाद में हुई 21 घंटे की लंबी बातचीत के बाद एक दीर्घकालिक समझौते को सुरक्षित करने का पिछला प्रयास बिना किसी सफलता के समाप्त हो गया था, जिससे तनाव और बढ़ गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान की सैन्य शक्ति अभी भी पश्चिम एशिया में एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली स्थिति बनाए हुए है। उसके सैन्य ढांचे को पूरी तरह कमजोर नहीं किया जा सका है।

यूएस दौरे पर भारतीय सेना प्रमुख: द्विपक्षीय सैन्य संबंध मजबूत करने की कवायद, मुक्त और समृद्ध हिंद-प्रशांत पर जोर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने आज जनरल उपेंद्र द्विवेदी का इंडिया हाउस में स्वागत किया। यह मुलाकात जनरल द्विवेदी के वॉशिंगटन डीसी में प्रस्तावित आधिकारिक कार्यक्रमों से पहले हुई।

अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि भारतीय नौसेना प्रमुख और वायुसेना प्रमुख की हालिया यात्राओं के बाद सेना प्रमुख का यह दौरा भारत और अमेरिका के बीच लगातार बढ़ रहे उच्चस्तरीय सैन्य आदान-प्रदान को आगे बढ़ाता है। दूतावास ने कहा कि यह यात्रा दोनों देशों के रक्षा संबंधों को और मजबूत करेगी, जो व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी का प्रमुख स्तंभ है, और मुक्त, खुले व समृद्ध इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाएगी।

इससे पहले 21 अप्रैल को जनरल द्विवेदी ने होनोलूलू में जनरल रोनाल्ड पी. क्लार्क और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की थी। बैठक में भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग को मजबूत करने तथा इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता के साझा विजन को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई।

द्विवेदी को मिला गार्ड ऑफ ऑनर का सम्मान

फोर्ट शाफ्टर स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे पर पहुंचने पर जनरल द्विवेदी को औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने ओहू द्वीप का हवाई दौरा किया, जहां उन्हें प्रशिक्षण व्यवस्था, सैन्य संरचना और मल्टी-डोमेन ऑपरेशनल तैयारियों की जानकारी दी गई। भारतीय सेना के अतिरिक्त जनसंपर्क महानिदेशालय (ADGPI) ने कहा कि सेना प्रमुख की यह यात्रा दोनों देशों के बीच सामरिक विश्वास और रक्षा सहयोग को नई दिशा देने वाली है।

भारत और अमेरिकी वायुसेना प्रमुखों की हुई थी वार्ता

इस महीने की शुरुआत में भारत और अमेरिका ने वायुसेना प्रमुखों के बीच हुई उच्चस्तरीय वार्ता में भी रणनीतिक रक्षा साझेदारी दोहराई थी। 8 अप्रैल को एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने अमेरिका का आधिकारिक दौरा किया था। इस दौरान उनका जॉइंट बेस एनाकोस्टिया-बोलिंग में पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ स्वागत किया गया। बाद में एयर चीफ मार्शल सिंह ने पेंटागन से ट्रॉय मिंक और जनरल केनेथ विल्सबैक में मुलाकात की। वार्ता के दौरान इंटरऑपरेबिलिटी, संयुक्त प्रशिक्षण, क्षेत्रीय प्रतिरोधक क्षमता और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग पर जोर दिया गया।

अमेरिकी वायुसेना नेतृत्व ने कहा कि भारत के साथ रक्षा साझेदारी वॉशिंगटन की रणनीतिक प्राथमिकताओं में केंद्रीय स्थान रखती है। जनरल विल्सबाख ने बहुपक्षीय सैन्य अभ्यासों में भारत की सक्रिय भूमिका और नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सहयोग का विस्तार क्षेत्रीय सुरक्षा और संतुलन मजबूत करने में अहम होगा।

जहाज टोस्का की रिहाई के लिए यूएन पहुंचा ईरान, अमेरिका के खिलाफ की शिकायत, बिना शर्त छोड़ने की रखी मांग

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता हुआ नजर आ रहा है। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) से अपील की है कि वह अमेरिका पर दबाव डाले ताकि ईरान के एक व्यावसायिक जहाज टोस्का और उसके चालक दल को तुरंत रिहा किया जा सके। ईरान के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत अमीर सईद इरावानी ने इस मुद्दे को लेकर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने अमेरिका के इस कदम पर गंभीर चिंता जताई है। पूरे मामले को ऐसे समझिए कि ईरान का कहना है कि उसका एक व्यापारिक जहाज टोस्का को अमेरिकी बलों ने ओमान सागर में, ईरान के तट के पास पकड़ लिया। यह घटना एक दिन पहले हुई बताई जा रही है। राजदूत इरावानी के मुताबिक, यह कार्रवाई जबरदस्ती और धमकी के साथ की गई और जहाज के कर्मचारियों और उनके परिवारों की जान को खतरे में डाला गया। उन्होंने इस घटना को गैरकानूनी और शत्रुतापूर्ण बताया। अब इस मामले में ईरान का आरोप है कि अमेरिका की यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। ईरान ने दावा किया है कि यह एक तरह से समुद्री डकैती जैसा व्यवहार है। इससे दुनिया के अहम समुद्री रास्तों की सुरक्षा को खतरा पैदा होता है। इरावानी ने कहा कि इस तरह की घटनाएं क्षेत्र और दुनिया की शांति को बिगाड़ सकती हैं। इसके साथ ही ईरान ने यह भी दावा किया कि यह घटना उस संघर्षविराम का उल्लंघन है, जिसकी घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 7 अप्रैल को की थी। ऐसे में अब ईरान ने संयुक्त राष्ट्र से मांग की है कि अमेरिका की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की जाए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

पीएम मोदी पर खरगे के 'विवादित बोल' से घमासान, भाजपा ने निर्वाचन आयोग में की शिकायत

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि वह पूर्ण आयोग के समक्ष कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई निंदनीय टिप्पणियों को उजागर करने के लिए उपस्थित हुईं, जिसमें विपक्ष द्वारा बार-बार अपमानजनक भाषा के प्रयोग का आरोप लगाया गया था। भाजपा प्रतिनिधिमंडल द्वारा चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराने के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ बार-बार अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने का एक पैटर्न दिखाया है।

सीतारामन ने कहा कि आज हम मतदान आयोग के समक्ष उपस्थित हुए ताकि उन्हें यह अवगत कराया जा सके कि कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने चुनाव वाले राज्य में मीडिया को संबोधित करते हुए बेहद निंदनीय शब्दों का प्रयोग किया है और प्रधानमंत्री को 'आतंकवादी' कहा है... कांग्रेस ने प्रधानमंत्री के खिलाफ बार-बार अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने का एक पैटर्न दिखाया है।

वित्त मंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले की बरसी का जिक्र करते हुए कहा कि इस तरह की टिप्पणी का समय बेहद संवेदनशील है। उन्होंने आगे कहा कि जैसा कि किरण जी ने सही कहा, आज हम पहलगाम हमले की एक सालगिरह मना रहे हैं, जहां निहत्थे नागरिकों को उनके परिवारों के सामने ही मार दिया गया था। आज हम इस घटना की पहली बरसी मना रहे हैं और ठीक उसी दिन की पूर्व संध्या पर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष चुनाव वाले राज्य चेन्नई जाते हैं, वहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बैठकर ये बातें कहते हैं।

सीतारामन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी लगातार प्रधानमंत्री के खिलाफ 'अपमानजनक भाषा' का प्रयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की यह आदत बन गई है कि वे प्रधानमंत्री के खिलाफ चुनिंदा अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते हैं और बार-बार ऐसा करते हैं, उनके रवैये में कोई बदलाव या सुधार नहीं आया है। उन्होंने अपना दृष्टिकोण नहीं बदला है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री को निशाना बनाकर दिए जा रहे बार-बार के बयानों पर चिंता जताते हुए यह मामला पूरी आयोग के समक्ष उठाया गया था।

शर्मनाक और बेहद घटिया... पप्पू यादव के बयान पर भड़कीं प्रियंका चतुर्वेदी, बीजेपी ने भी घेरा

पटना, एजेंसी। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने एक ऐसा बयान दिया है, जिससे वो तमाम नेताओं के निशाने पर आ गए हैं, हर तरफ उनके बयान की तीखी आलोचना हो रही। इसके साथ ही उन्हें बिहार राज्य महिला आयोग की तरफ से नोटिस भी भेजा गया है। सबसे पहले आपको उस बयान के बारे में बताते हैं कि आखिर ऐसा क्या कहा था सांसद ने जिसकी वजह से वो विवादों में आ गए।

दरअसल सांसद पप्पू यादव ने हाल ही में राजनीति में महिलाओं की भूमिका और नेताओं के आचरण को लेकर दावा किया कि आज के समय में ज्यादातर महिलाएं किसी पुरुष राजनेता के बेड पर कुछ समय बिताए बिना राजनीति में प्रवेश नहीं कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि जनीति में महिलाओं के लिए बिना किसी समझौते के आगे बढ़ना लगभग असंभव बना दिया गया है उन्होंने कहा ' घरेलु हिंसा कौन कर रहा है, महिलाओं 'गिद्ध दृष्टि'किसकी है, अमेरिका से लेकर भारत । इसका जवाब वो खुद ही देते हैं नेताओं की। उन्होंने कहा कि 90 परसेंट महिला नेता के रूम में गए बिना राजनीति नहीं कर सकतीं।

प्रियंका चतुर्वेदी का पप्पू यादव पर हमला

पप्पू यादव के इस बयान को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। लोग उनके इस बयान की निंदा करते हुए जमकर निशाना साध रहे हैं। शिवसेना यूबीटी की पूर्व सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा इसके बेहद शर्मनाक और घिनौना करार दिया।

सोशल मीडिया पर उन्होंने पप्पू यादव का वीडियो शेयर किया है, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा 'लोकसभा सांसद पप्पू यादव की यह टिप्पणी बेहद शर्मनाक, घृणित और घिनौनी है। इसी बीमार मानसिकता के कारण हजारों लोग राजनीति में महिलाओं की आलोचना करते हैं और उन्हें चुप कराने के लिए मानहानि और चरित्र हनन का इस्तेमाल करते हैं'।

मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने की बयान की निंदा

वहीं महाराष्ट्र सरकार में मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने भी सांसद पप्पू यादव के बयान पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि इस तरह का बयान हमारे देश की संस्कृति और परंपराओं के लिए पूरी तरह से गलत है। उन्होंने कहा कि ऐसे बयानों से महिलाओं की छवि को भी ठेस पहुंचती है।

'पुलिस को सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए'

पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि ऐसे लोगों को बख्शा नहीं जाना चाहिए, चाहे वो किसी भी पार्टी के हों। उन्होंने कहा कि ऐसे बयान देने वाले किसी भी व्यक्ति को समाज में स्वतंत्र रूप से जीने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए और पुलिस को इस मामले में सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

बिहार राज्य महिला आयोग ने लिया संज्ञान

इस बीच पप्पू यादव के इस बयान का संज्ञान बिहार राज्य महिला आयोग ने भी लिया है। राज्य महिला आयोग ने उनके खिलाफ नोटिस जारी किया है। सांसद को जवाब देने के लिए तीन दिनों का समय दिया गया है। यह नोटिस महिला आयोग की अध्यक्ष अप्सरा की ओर से नोटिस जारी हुआ है।

नोटिस में कही ये बात

नोटिस में आयोग की अध्यक्ष की तरफ से कहा गया है 'सोशल मीडिया के माध्यम से एक प्रसारित वीडियो में राजनीतिक क्षेत्र में कार्य कर रही महिलाओं के प्रति आपके द्वारा घृणित बयान दिया गया है, जिसमें आपके द्वारा यह बात कही गई है कि राजनीति में कार्य कर रही महिलाएं किसी न किसी राजनेताओं के साथ बेड शेयर करके ही आती हैं। यह बयान महिलाओं के आत्मसम्मान एवं सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाता है'। इसके आगे नोटिस में कहा गया है 'इस पर बिहार राज्य महिला आयोग स्वतः संज्ञान लेते हुए आपसे यह जबाव की मांग करता है कि आपके द्वारा इस तरह की घृणित बयान क्यों दिया गया? साथ ही क्यों नहीं आपके खिलाफ लोकसभा की सदस्यता रद्द करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष से अनुशंसा की जाए? अतः उक्त घृणित बयान के संबंध में स्पष्ट जवाब पत्र प्राप्ति के तीन दिनों के अंदर अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इसे अत्यावश्यक समझा जाए'।

फिल्म भूत बंगला की कमाई में जबरदस्त उछाल, 58 करोड़ के पार पहुंचा कारोबार धुरंधर 2 का जलवा बरकरार

अक्षय कुमार की फिल्म भूत बंगला बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। निर्देशक प्रियदर्शन और अक्षय कुमार की ब्लॉकबस्टर जोड़ी ने 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है और दर्शकों ने इस हॉरर-कॉमेडी का दिल खोलकर स्वागत किया है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने अपने पहले वीकेंड (शुरुआती तीन दिनों) में शानदार प्रदर्शन किया है। रविवार (तीसरे दिन) को फिल्म की कमाई में जबरदस्त उछाल देखा गया। फिल्म के अब तक के आंकड़ों पर एक नजर।

फिल्म ने अपने पहले रविवार को बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत में 23 करोड़ की कमाई की, जबिक शनिवार यानी दूसरे दिन इसने 19 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। पहले दिन फिल्म ने 12.25 करोड़ रुपये की कमाई की थी। कुल मिलाकर रिलीज के 3 दिनों में इस फिल्म ने 58 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। फिल्म को लोगों की सकारात्मक चर्चा का खूब फायदा मिल रहा है।

कई प्रशंसकों के लिए अक्षय की भूत बंगला पुरानी यादों का एक अहसास लेकर आई है। प्रियदर्शन और अक्षय कुमार की जोड़ी ने इससे पहले हेरा फेरी, गरम मसाला, भागम भाग, भूल भुलैया, दे दना दन और खट्टा मीठा जैसी कई पसंदीदा कॉमेडी फिल्में दी हैं। उस पुराने इतिहास की वजह से दर्शकों की उम्मीदें बढ़ना स्वाभाविक है, और ऐसा लग रहा है कि लोग एक बार फिर हास्य और अफरा-तफरी के उसी जाने-पहचाने अंदाज का आनंद ले रहे हैं।

इस कहानी के केंद्र में अर्जुन (अक्षय) है, जो लंदन से भारत के एक गांव की यात्रा करता है। उसकी ये यात्रा तब शुरू होती है, जब उसकी बहन को विरासत में एक महल मिलता है। जो यात्रा एक साधारण ट्रिप के तौर पर शुरू होती है, वो जल्द ही एक अजीब मोड़ ले लेती है। फिल्म में राजपाल यादव, परेश रावल, वामिका गब्बी, जीशु सेनगुप्ता और तब्बू ने भी अहम भूमिका निभाई है।

उधर रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 पांचवें हफ्ते में भी बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। पांचवें शनिवार को कमाई में जबरदस्त उछाल के बाद, इसने पांचवें रविवार को भी वही बढ़त बरकरार रखी है। फिल्म की ये धमाकेदार परफॉर्मेंस साबित करती है कि इसमें अब भी दम बाकी है। धुरंधर 2 ने अपनी रिलीज के 32वें दिन 4.60 करोड़ की कमाई की है। इसी के साथ भारत में इसने लगभग 1,115 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।

अरिजीत सिंह की फैन बनीं निकिता गांधी, कहा– उनके सफर से मैंने बहुत कुछ सीखा है

बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय फिल्मों में अपने बहुमुखी गायन से फैंस के दिलों में खास जगह बना चुकी निकिता गांधी ने अरिजीत सिंह के साथ कई गानों में अपनी आवाज दी है। उन्होंने बताया कि वे अरिजीत की बहुत बड़ी फैन हैं। निकिता कहती हैं, मैं अरिजीत की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं और मैं उनके सफर और गायकी का बहुत सम्मान करती हूं। मैं खुद भी एक बहुमुखी गायिका हूं। मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि मैंने उनके सफर से बहुत कुछ सीखा है। बेशक, इस बात का बहुत दुख है कि अभी वे नए दौर से गुजर रहे हैं, लेकिन उन्होंने बहुत सारा काम किया है और इस इंडस्ट्री को अपना बहुत कुछ दिया है। निकिता गांधी ने आगे अपने सफर को याद किया। उन्होंने बताया कि पहले फिल्मों में गाना शुरू किया, उसके बाद अपना इंडी म्यूजिक रिलीज किया। आमतौर पर लोग पहले इंडी करते हैं और फिर फिल्मों में आते हैं, लेकिन मेरा सफर उल्टा रहा।

कॉलेज के दिनों में मैंने तमिल फिल्मों में गाना शुरू किया। उस समय म्यूजिक इंडस्ट्री में आने का मेरा कोई भी प्लान नहीं था, लेकिन साउथ इंडस्ट्री और फिर बॉलीवुड में मौका मिला। उसके बाद उन्होंने अपना करियर शुरू किया।

निकिता कहती हैं, यह बहुत अलग और शानदार सफर रहा, क्योंकि मैंने कभी सिंगर बनने का सपना नहीं देखा था। इसलिए, मैंने इसे प्यार से किया और अपने करियर का पूरा मजा लिया। लाइव परफॉर्मेंस और स्टूडियो रिकॉर्डिंग के बीच अंतर पर बात करते हुए निकिता ने बताया कि दोनों अनुभव बिल्कुल अलग हैं। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं। लाइव शो में दर्शकों की मिली-जुली ऊर्जा मिलती है, जो बहुत खास होती है। वह पल उसी समय का होता है और चला जाता है। हर कोई उस अनुभव को महसूस करता है। दूसरी ओर, स्टूडियो में रिकॉर्डिंग करते समय परफेक्शन पर जोर होता है। जब आप स्टूडियो में सॉन्ग रिकॉर्ड करते हैं, तो परफेक्शन के लिए तीन-चार बार टेक लेते हैं, जब तक गाना एकदम सही न हो जाए। क्योंकि यह रिकॉर्डेड चीज हमेशा के लिए रह जाती है। इसलिए इसे जितना बेहतर बना सकते हैं, उतना बेहतर बनाते हैं। इसमें समय और कड़ी मेहनत लगती है।

पति पत्नी और वो दो का टीजर रिलीज : 3 हीरोइनों संग रोमांस करते दिखे आयुष्मान

पति पत्नी और वो दो सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। फैंस इसकी झलक पाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मेकर्स ने उनके इस इंतजार पर अब ब्रेक लगा दिया है । मेकर्स ने आयुष्मान खुराना, सारा अली खान और वामिका गब्बी की अभिनीत फिल्म का टीजर जारी किया है, जिसने फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह बढ़ा दी है। इस टीजर में हंसी, कन्फ्यूजन और जबरदस्त हंगामे का एक मजेदार सफर देखने को मिलेगा।

मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पति पत्नी और वो दो का टीजर अपलोड किया है और कैप्शन में लिखा है, समय सब कुछ बदल देता है, पर पतियों की फितरत उसके भी बस में नहीं, आ रहे हैं प्रजापति पांडे, इस बार अपनी पत्नी और वो दो के साथ, पति पत्नी और वो दो का टीजर अब जारी । 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में।

1 मिनट 22 सेकंड के टीजर की शुरुआत एक वॉयसओवर के साथ हुई जिसमें बताया गया कि समय के साथ-साथ बहुत कुछ बदला, पर पतियों की फितरत कभी नहीं बदली। वीडियो में दिखाया गया है कि आयुष्मान के ऑफिस में कोई लड़की मिलने आती है, जिसे देख वह मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।

यहां उनके इस अंदाज को पतियों की फितरत से तुलना की जाती है। विजय राज नामक पुलिसकर्मी, जो आयुष्मान से बात कर रहा है और कह रहा है, क्या तो किस्मत पाए हो यार, एक दोस्त के साथ पकड़े गए, दूसरा दोस्त छुड़ाने चली आई और ये तीसरी, दोस्त ही है ना?

टीजर में इसे पतियों का यूनिवर्स कहा गया है, और इसमें आयुष्मान को सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह के साथ रोमांस करते हुए दिखाया गया है। टीजर में उन्हें अफरा-तफरी के बीच रास्ता निकालते हुए भी दिखाया गया है, और आखिर में वे चारों एक साथ बंधे हुए एक खतरनाक स्थिति में फंसे हुए नजर आते हैं।

2019 की फिल्म पति पत्नी और वो में कार्तिक आर्यन को दो औरतों के प्यार के बीच फंसा हुआ देखने के बाद, इसका सीक्वल पति पत्नी और वो दो इस कहानी को एक नए लेवल पर ले जाता है। इस बार फिल्म के लीड एक्टर आयुष्मान खुराना दो नहीं, बल्कि तीन औरतों - सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह के बीच फंसे हुए हैं।

पति पत्नी और दो को मुदस्सर अजीज ने निर्देशित किया है। इसका निर्माण भूषण कुमार, रेनू रवि चोपड़ा और कृष्ण कुमार ने किया है, जबकि जूनो चोपड़ा इसके क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं। यह फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित । शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website : aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com